हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 31, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 29 जुलाई, 2023 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

सिर्फ दो साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात हुआ दोगुना : प्रधानमंत्री मोदी

सेमीकॉन इंडिया 2023 प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों से की अपील

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के गांधीनगर में सेमीकॉनइंडिया 2023 सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सेमीकॉन इंडिया 2023 प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों से अपील की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने आए हुए निवेशकों का भी स्वागत किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज हवा का रुख बदला हुआ है। यह सब आप लोगों की वजह से संभव हुआ है।

उन्होंने निवेशकों से कहा कि 21वीं सदी के भारत में आपके लिए अपार अवसर हैं। भारत का लोकतंत्र, भारत की जनसांख्यिकी और भारत से मिलने वाला लाभांश आपके व्यवसाय को दोगुना, तिगुना कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे सॉफ्टवेयर को अपडेट करना आवश्यक है, वैसे ही यह कार्यक्रम भी है। सेमीकॉनइंडिया के माध्यम से उद्योग, विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के साथ संबंध अपडेट होते रहते हैं। मेरा यह भी मानना है कि संबंधों में तालमेल के लिए यह आवश्यक है। सेमीकॉनइंडिया

कॉन्फ्रेंस 2023 में पीएम मोदी ने कहा कि हम भारत के डिजिटल क्षेत्र और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं। कुछ साल पहले भारत इस क्षेत्र में एक उभरता हुआ खिलाड़ी था और आज, वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में हमारी हिस्सेदारी कई गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, 2014 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 30 बिलियन डॉलर से भी कम था। आज यह 100 अरब डॉलर को पार कर गया है। सिर्फ दो साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात दोगुना हो गया है। भारत में निर्मित मोबाइल फोन का निर्यात दोगुना हो गया है। जो देश कभी मोबाइल फोन का आयातक था, वह आज दुनिया के बेहतरीन मोबाइल फोन बनाकर उनका निर्यात कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया इंडस्ट्री 4.0 की गवाह बन रही है। जब भी दुनिया में कोई औद्योगिक क्रांति आई है, तो उसकी नींव किसी भी क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाएं रही हैं। यह पहले की औद्योगिक क्रांतियों और अमेरिकी सपने के बीच का संबंध था। आज, मैं चौथी औद्योगिक क्रांति और भारतीय आकांक्षाओं के बीच वही संबंध देख सकता हूं। इस सम्मेलन में प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। सम्मेलन का विषय 'भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करना' है। यह भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति और नीतियों को प्रदर्शित करता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सेमीकॉन इंडिया 2023 प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान, तीन प्रमुख सेमीकंडक्टर समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए.. पहला माइक्रोन प्रौद्योगिकी है... दूसरा अनुप्रयुक्त सामग्री, सबसे जटिल उपकरण जो सेमीकंडक्टर निर्माण में प्रयोग किया जाता है, उसका निर्माण भारत में किया जाएगा...तीसरा लैम रिसर्च, यह अपने सेमीवर्स प्लेटफॉर्म पर 60,000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित करेगा। सम्मेलन को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत में पहली बार सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयां गुजरात में खुल रही हैं।

पहाड़ी पर ले जाकर नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म, फिर प्राइवेट पार्ट में डाली लकड़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सतना जिले में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यह हवस के दरिंदों ने एक नाबालिग लड़की को पहाड़ी पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसके प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। यह मामला जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर एक गांव का है। मामले का खुलासा तब हुआ, जब खून से लथपथ होकर नाबालिग लड़की अपने घर पहुंची। पीड़िता की आपबीती सुनकर परिजन उसे लेकर सीधे पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ये दोनों शारदा प्रबंध कमेटी के सदस्य हैं। पीड़िता को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि पीड़िता की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि नाबालिग के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड के नियोजित विकास पर करें फोकस, यहां अपार संभावनाएं : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा की और प्रदेश में सेक्टरवार पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हुए नियोजित और समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश की वार्षिक आय में सतत बढ़ोतरी हो रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16,45,317 करोड़ रुपये थी। जो 2021-22 में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 19,74,532 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, 2022-23 के लिए तैयार अग्रिम अनुमानों के आधार पर राज्य आय 21.91 लाख करोड़ रुपये से आंकलित हुई है। यह स्थिति संतोषप्रद है। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के साथ सतत प्रयास जारी रखा जाए। बुंदेलखंड और पूर्वांचल में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमें इन संभावनाओं को एक्सप्लोर करना होगा। विश्वविद्यालयों व तकनीकी संस्थाओं को इस महत्वपूर्ण कार्य से जोड़ें। कहां, कौन से सेक्टर में प्रयास की आवश्यकता है। किस प्रकार की सहायता दी जानी चाहिए। इन सबका गहन अध्ययन कराया जाए। यह अध्ययन रिपोर्ट नियोजन विभाग में संकलित हों और उपयोगिता अनुसार उन्हें कार्ययोजना में शामिल किया जाए। बुंदेलखंड और पूर्वांचल

के विकास के लिए आवंटित निधि का उपयोग बहुआयामी एवं दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार हो।

आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के सभी चिन्हित जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नीति आयोग द्वारा डैशबोर्ड चैम्पियन्स आफ चेन्ज पर मई 2023 की सूचना के अनुसार समग्र रूप से देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 06 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सिद्धार्थनगर (02), सोनभद्र (04), चन्दौली (05), फतेहपुर (08) तथा बहराईच (09) वें स्थान पर हैं। इसी प्रकार, स्वास्थ्य एवं पुष्टाहार विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। इसमें बलरामपुर (03), सिद्धार्थनगर (04), चन्दौली (05), सोनभद्र (07), एवं श्रावस्ती (08) वें स्थान पर है। शिक्षा विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सोनभद्र (07), श्रावस्ती (08), सिद्धार्थनगर (09) एवं चित्रकूट (10) वें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 02 जनपद आये हैं। सिद्धार्थनगर (05) एवं फतेहपुर (10) वें स्थान पर हैं। कार्यक्रम में अच्छी रैंक प्राप्त होने पर नीति आयोग द्वारा प्रदेश के 08 महत्वाकांक्षी जनपदों को अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन भी प्राप्त हुआ है। यह प्रयास सतत जारी रखा जाए। आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम शासन की प्राथमिकता में है। शासन स्तर से हर विकास खंड का सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। मार्च 2022 से मार्च 2023 तक ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग में जनपद कुशीनगर का बिशुनपुरा विकास खंड सर्वश्रेष्ठ रहा है।

आजम को इलाहाबाद हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका, सपा नेता को देना होगा वॉयस सैंपल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से भड़काऊ भाषण मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने सपा नेता की उस याचिका को खरिज कर दिया, जिसमें उन्होंने रामपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट के वॉयस सैंपल देने के आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने आजम खान को वायस सैंपल देने का निर्देश दिया। जस्टिस राजीव मिश्र की सिंगल बेंच में सपा नेता की याचिका पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने आजम खान की मांग नामंजूर करते हुए बृहस्पतिवार को आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया। बता दें कि 2007 के विधानसभा चुनाव में आजम खान ने जनसभा को संबोधित करते हुए भड़काऊ भाषण दिया था। आरोप है कि भाषण में उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। भड़काऊ भाषण की धीरज कुमार सिंह ने रामपुर के टांडा पुलिस से शिकायत की। शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आजम खान के खिलाफ आईपीसी,

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और एससी-एसटी एक्ट का मामला दर्ज किया था। मामले की विवेचना के बाद विवेचक की तरफ से आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया। कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेकर सुनवाई की। ट्रायल के दौरान बात सामने आई कि भाषण की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग विवेचक ने केस डायरी का हिस्सा बनाया लेकिन आरोप पत्र में रिकॉर्डिंग का जिक्र नहीं है। रामपुर की एमपी-एलएलए कोर्ट ने आजम खान की आवाज का नमूना रिकॉर्ड कर सीडी में रिकॉर्ड ऑडियो से मिलान कराने का निर्देश दिया। आजम खान ने आदेश के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई. 29 अक्तूबर 2022 को स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने आपत्ति खारिज कर दी। उन्होंने स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। आजम खान के वकीलों ने कई तकनीकी बिंदुओं पर आदेश को गलत बताते नायब तहसीलदार गुलाब राय रिकॉर्ड ऑडियो वीडियो पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि नायब तहसीलदार गुलाब राय ने व्यक्तिगत स्तर पर ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग कराई थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्धा और 3 बेटियों की मौत, चौथी की हालत गंभीर

उन्नाव। उन्नाव जिले के मोहनलालगंज-पुरवा मार्ग पर तुसरौर गांव के पास अज्ञात वाहन ने शव लेकर जा रही निजी एम्बुलेंस में टक्कर मार दी। हादसे में मृतक की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की मौत हो गई। वहीं, चौथी बेटी की हालत गंभीर है। उसका कानपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पंचनामा की कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद एम्बुलेंस चालक भाग निकला। उसको पकड़ने के लिए टीमें लगी हैं। मौरावां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी धनीराम सविता (75) सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। साल 2007 में वह केएनपीएन इंटर कॉलेज मौरावां से सेवानिवृत्त हुए थे। एक सप्ताह पहले पैरालिसिस का अटैक पड़ने और सांस लेने में दिक्कत होने से 24 जुलाई को परिजन जिला अस्पताल लेकर गए थे। वहां से कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह तीन बजे धनीराम इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन प्राइवेट एम्बुलेंस से शव लेकर घर जा रहे थे। पुरवा-मोहनलालगंज मार्ग पर तुसरौर गांव के पास सुबह करीब पांच बजे अज्ञात वाहन ने एम्बुलेंस में टक्कर मारते हुए निकल गया।

टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना में मृतक धनीराम के शव के साथ रही उसकी पत्नी प्रेमा (65), बेटी अंजली (35), मंजुला (40) और रूबी (30) की मौत हो गई। वहीं, सुधा (40) गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर एसपी सिद्धार्थशंकर मीणा, एएसपी शशिशेखर और सीओ दीपक सिंह घटनास्थल पर पहुंचे।

दिल्ली अध्यादेश पर मोदी सरकार को मिल सकता है एक और पार्टी का साथ, अगले सप्ताह संसद में पेश होगा विधेयक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश को बदलने के लिए एक विधेयक पर अपनी पार्टी द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं करने को लेकर पूछे गए सवाल पर बीजू जनता दल (बीजेडी) के राज्यसभा सदस्य अमर पटनायक ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के भीतर 'आंतरिक चर्चा' को उजागर नहीं किया जा सकता है। इस पर पार्टी उचित समय पर निर्णय लेगी। अमर पटनायक ने कहा कि पार्टी उचित समय पर अपना रुख स्पष्ट करेगी। पहले विधेयक पेश होने दीजिए। ओडिशा के मुख्यमंत्री और हमारे पार्टी अध्यक्ष उचित समय पर निर्णय लेंगे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023, दिल्ली विधानसभा की विधायी क्षमता से कुछ सेवाओं को बाहर करते हुए मई में केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश को बदलने का प्रयास करता है। यह अध्यादेश दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले

के संदर्भ में लाया गया था। इससे पहले, जनता दल (यूनाइटेड) यानी जद (यू) ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश समेत राज्यसभा और लोकसभा के सभी सदस्यों को तीन लाइन व्हिप जारी किया है। इस व्हिप में सभी सदस्यों को 27 जुलाई से लेकर 11 अगस्त तक सदन में मौजूद रहने और दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर अध्यादेश की जगह लेने वाले विधेयक के खिलाफ वोट करने के लिए कहा गया है। राज्यसभा में जद (यू) के मुख्य सचेतक अनिल प्रसाद हेगड़े ने कहा कि पार्टी के सभी सांसदों से कहा गया है कि विधेयक पर अगले सप्ताह मतदान होने पर पार्टी के रुख का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि जब भी महत्वपूर्ण विधेयक चर्चा के लिए आते हैं तो न केवल जद (यू) बल्कि सभी दल अपने सांसदों को व्हिप जारी करते हैं। हमने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया है। जदयू 26 विपक्षी दलों के गठबंधन का हिस्सा है, जिसने 18 जुलाई को बेंगलुरु में हुई बैठक में खुद को भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन नाम दिया है।

दिल्ली में दिनदहाड़े कत्ल, युवती को रॉड मारकर उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर में एक लड़की पर रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। रॉड से किए गए इस हमले में लड़की की मौत हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना अरबिंदो कॉलेज के पास की है। आरोपित लड़की पर रॉड से हमला करने के बाद मौके से फरार हो गया था जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान इरफान (28) पुत्र ईसा खान निवासी संगम विहार के रूप में हुई है। इरफान का परिवार मूलरूप से औरैया का रहने वाला है। वहीं मृतक लड़की की उम्र 25 साल के आसपास बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ पार्क आई थी। मृतका नाम नरगिस बताया जा रहा है। नरगिस आरोपित की मौसेरी बहन थी। वारदात के बाद आप विधायक सोमनाथ भारती भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने मौके का मुआयना किया और पुलिस ने मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजकर आठ मिनट के आसपास जानकारी मिली थी कि अरबिंदो कॉलेज के पास विजय मंडल पार्क शिवालिक ए ब्लॉक पर एक लड़का एक लड़की को जान से मारकर भाग गया था। लड़की के पास एक लोहे की रॉड पड़ी है, लड़की की उम्र 25 साल है और आसपास है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची टीम ने पार्क में एक बेंच के नीचे एक लड़की का शव बरामद किया, जिसके सिर से खून बह रहा था और सिर के आसपास खून पड़ा हुआ था। उसके शव के पास एक लोहे की रॉड मिली। डीसीपी साउथ चंदन चौधरी ने बताया कि "घटना पार्क के अंदर हुई है। मृतक लड़की कॉलेज की छात्रा है। इस पार्क में अक्सर कॉलेज के लड़के-लड़कियां आते रहते हैं। वह अपने किसी दोस्त के साथ पार्क में आई थी। लड़की के सिर पर चोट के निशान हैं। एक रॉड भी उसके शव के पास से मिली है। हम मामले की जांच कर रहे हैं।"

रवि किशन ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- उन्हें पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन जाना चाहिए

नई दिल्ली। मणिपुर घटना को लेकर पूरे देश में सियासी बवाल मचा हुआ है। सड़क से लेकर संसद तक हंगामा जारी है। इस बीच विपक्षी गठबंधन इंडियन इंटरनेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (I.N.D.I.A) के घटक दलों के सांसद का एक प्रतिनिधिमंडल 29 और 30 जुलाई को हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करेगा। इस दौरे को लेकर गोरखपुर सदर लोकसभा सीट से सांसद व अभिनेता रवि किशन ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जहां चाहें वहां जा सकते हैं, उन्हें पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन जाना चाहिए। सांसद रवि किशन ने मीडिया के एक सवाल पर कहा कि हर हर महादेव, जब विश्व के नेता एक निस्वार्थ भाव से 40 करोड़ की सेवा करती है तो महादेव का आशीर्वाद होता है

और पूरा विश्व उनकी जय-जयकार कर रहा है। इससे पता चलता है कि हम लोग 2047 में विश्व गुरु बनने से इस देश को, नए भारत को उनके शिल्पकार को कोई रोक नहीं सकता।

राज्यसभा की कार्यवाही 31 जुलाई तक के लिए स्थगित- राज्यसभा की कार्यवाही 31 जुलाई को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। बता दें कि इससे पहले, लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित की गई थी। बता दें कि संसद के मानसून सत्र का आज सातवां दिन है। इससे पहले भी, लोकसभा और राज्यसभा की पिछले छह दिन की कार्यवाही मणिपुर वायरल वीडियो पर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई।

सभापति और टीएमसी सांसद में तीखी बहस- उधर, राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ और टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के बीच शुक्रवार को राज्यसभा में तीखी बहस हुई जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत विपक्षी सांसदों द्वारा दिए गए नोटिस को स्वीकार न करने के मुद्दे पर राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ है।

सभापति ने कहा कि वह पहले ही इस मुद्दे पर अल्पकालिक चर्चा के लिए सहमत हो चुके हैं और सदस्यों से उस नियम के तहत इस मुद्दे पर चर्चा करने को कहा है। इस पर डेरेक ओब्रायन अपनी बात रखने के लिए मेज थपथपाई, जिस पर सभापति नाराज हो गए। सभापति ने कहा कि आसन के प्रति सम्मान दिखाइए और मेज मत थपथपाइए। सभापति के टोकने के बावजूद डेरेक ओ ब्रायन ने अपनी बात जारी रखी। जिस पर सभापति ने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

मोहर्रम से एक दिन पहले गोपालगंज में बड़ा हादसा जुलूस के दौरान करंट की चपेट में आने से दस झुलसे

उचकागांव (गोपालगंज)। जिले में मुहर्रम पर्व के चौका मिलान के क्रम में बड़ा हादसा हो गया। थाना क्षेत्र के हरपुर पूरब टोला से धर्मचक गांव जाने वाले पथ पर हरपुर सफी टोला पुल पर मुहर्रम पर्व के चौका मिलान के क्रम में करंट की चपेट में आने से दस लोग झुलस गए। हादसा हाई वोल्टेज तार के चपेट में आने से हुआ। जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक युवक की चिंताजनक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह हरपुर सफी टोला में मुख्य पथ पर मुहर्रम पर्व के चौका मिलान को लेकर पहले की तरह हरपुर सफी टोला, हरपुर पूरब टोला और धर्मचक गांव के युवक लाठी, डंडा, हरा बांस व पेड़ों की टहनी, लोहे की पाइप आदि लेकर जुलूस में पहुंचे हुए थे। प्रशासन की रोक के बावजूद जुलूस में शामिल युवक हरपुर सफी टोला मुख्य पथ पर स्थित पुल पर चौका मिलान कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक के हाथ में लिए गए हरे बांस, पेड़ों की टहनियां, लोहे के पाइप आदि का संपर्क सड़क के ऊपर से गुजरे हुए हाई वोल्टेज तार में हो गया। जिसके बाद करंट की चपेट में युवक आ गए। जिससे 10 लोग बुरी तरह झुलस गए। स्थानीय लोगों और प्रशासन के सहयोग से घटना में जख्मी थाना क्षेत्र के हरपुर गांव के जियाउल अली, नौशाद अली, अल्ताफ मियां, आशिक अली, इकबाल अली, मेंहदी आलम, सैफ अली, सुहैल अली, लक्की अली और तौकीर अली को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, गंभीर झुलसे इकबाल अली की चिंताजनक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना के बाद से पीड़ितों के घर पर त्यौहार की खुशी मायूसी में बदल गई है।

संपादकीय

आंदोलन से निपटने के लिए दमन का रास्ता अनुचित

अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन पर उतरना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर चिंता का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों में अक्सर नागरिक आंदोलन हिंसक रूप लेते देखे गए हैं। इसकी कई वजहें हो सकती हैं, मगर गंभीर सवाल यह भी है कि ऐसी स्थितियों से निपटने में सरकारें क्यों विफल साबित हो रही हैं। एक महीने के भीतर बिहार में यह दूसरी घटना है, जब किसी आंदोलन पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठी-डंडे और बंदूक का सहारा लेना पड़ा। ताजा घटना में पुलिस की गोली से दो लोगों के मारे जाने की सूचना है। इसके पहले पटना में शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर जब भाजपा कार्यकताओं ने आंदोलन किया था, तब पुलिस ने जम कर लाठियां बरसाई थीं। उसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ताजा घटना वहां के कटिहार जिले की है। स्थानीय लोग बिजली आपूर्ति बेहतर करने की मांग लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बताया जा रहा है कि बिजलीघर के बाहर उग्र भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। उसे रोकने के लिए पुलिस बल को बुलाया गया। फिर भीड़ ने पुलिस पर भी पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। इससे कई पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई। भीड़ को काबू में न आता देख पुलिस ने गोली चला दी, जिसमें दो युवक मारे गए। अब पिछले कुछ वर्षों में देखा जा रहा है कि नागरिक आंदोलन और प्रदर्शन किन्हीं समस्याओं को लेकर शुरू तो होते हैं, मगर उनका मिजाज राजनीतिक हो जाता है। वे किसी न किसी राजनीतिक दल से प्रेरित पाए जाते हैं। इस तरह उनका मिजाज लोकतांत्रिक के बजाय अक्सर अलोकतांत्रिक और अराजक हो जाता है। वरना बिजली आपूर्ति ठीक करने की मांग में ऐसा कोई तत्त्व नहीं माना जा सकता, जिसके लिए पत्थरबाजी करनी पड़े। इसे शांतिपूर्ण तरीके से भी किया जा सकता था। इस तरह के आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों ने आंदोलनों की मयार्दा को ही धूमिल किया है। मगर इससे पुलिस को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। निस्संदेह उग्र भीड़ पर काबू पाना पुलिस का कर्तव्य है, मगर उसका तरीका केवल लाठी और बंदूक चलाना नहीं हो सकता। मगर शायद पूरे देश की पुलिस को इस बात पर यकीन हो चला है कि कानून-व्यवस्था केवल बंदूक के बल पर ही कायम हो सकती है। बिहार पुलिस तो बहुत पहले से इस सिद्धांत पर अमल करती देखी जाती है। जब भी इस तरह के आंदोलनों से निपटने के लिए दमन का रास्ता अख्तियार किया जाता है, तो पुलिस के कामकाज पर स्वाभाविक ही सवाल उठते हैं और उसे सुधारने के सुझाव भी दिए जाते हैं, मगर उन पर अमल नहीं हो पाता। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार सुशासन की पैरोकार है। मगर यह कैसा सुशासन है, जिसमें लोगों की मांग के बदले गोलियां चलाई जाती हैं। क्या प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता था। सक्षम प्राधिकार को यह बात क्यों समझ नहीं आई। उन्हें तभी होश क्यों आता है, जब कोई बड़ी घटना घट जाती है। फिर पुलिस ऐसे मौकों यह प्रशिक्षण क्यों भूल जाती है कि भीड़ पर काबू पाने का तरीका केवल बंदूक चलाना नहीं होता। अगर किन्हीं विषम परिस्थितियों में गोली चलानी भी पड़ जाए, तो रबड़ की गोली चलाई जाती है, आंसू गैस के गोले दागे जाते हैं। सीधे निशाना बना कर गोली नहीं दागी जाती। ऐसे गोली चालन से तो हत्या का इरादा जाहिर होता है।

कांपी राजधानी!

रूकती ना दरिंदगी ।
है जारी अपराध ।।
कांपी राजधानी ।
है प्रगति निर्बाध ।।
राह चलते सरेआम ।
मौत घाट उतारा ।।
बढ़ी इतनी हिम्मत ।
डरा नहीं हत्यारा ।।
करती विचलित घटना ।
पनप रहे शैतान ।।
क्या बीती परिवार पर ।
ना कोई अनजान ।।
तथ्य जो कुछ आए ।
चिंता वाली बात ।।
हो गया अब आम ।
है पुनः आघात ।।

–कृष्णेन्द्र राय

फिलहाल तो इंडिया गठबंधन के घटक आपस में ही एक दूसरे को झुकाने में लगे हैं

रमेश सर्राफ धमोरा

पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को चुनौती देने के लिए कांग्रेस सहित देश के 26 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक नए राजनीतिक गठबंधन बनाने की घोषणा की है। बेंगलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हुए दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के स्थान पर इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नाम पर एक नया गठबंधन बनाया है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन के संयोजक की घोषणा अभी तक नहीं हो पाई है। विपक्ष का कहना है कि उनका इंडिया गठबंधन पहले के यूपीए की तुलना में अधिक मजबूत है। इसमें ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो अभी तक आपस में एक दूसरे के विरोधी रहे हैं। कांग्रेस के धुर विरोधी रहे अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन में शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कट्टर विरोधी वामपंथी दल व कांग्रेस भी इंडिया गठबंधन में एक साथ शामिल हुए हैं। केरल में आमने-सामने चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस व वामपंथी दल एकजुट नजर आ रहे हैं।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, मराठा क्षत्रप शरद पवार, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल, फारूक अब्दुल्ला, हेमंत सोरेन, एमके स्टालिन, सीताराम येचुरी, डी राजा, अखिलेश यादव, महबूबा मुफ्ती सहित बहुत से वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इंडिया गठबंधन के पास अभी लोकसभा की कुल 142 सीटें हैं। मगर गठबंधन में शामिल 11 दलों का तो लोकसभा में एक भी सांसद नहीं हैं। इस गठबंधन में शामिल पार्टियों की अभी देश के 11 प्रांतों में सरकार चल रही है। जिनमें कांग्रेस की चार प्रदेशों कर्नाटका, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में वहीं जनता दल (यूनाइटेड) व राष्ट्रीय जनता दल की बिहार में, तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल में, झारखंड मुक्ति मोर्चा की झारखण्ड में, आम आदमी पार्टी की दिल्ली व पंजाब में, द्रविड़ मुनेत्र कषगम की तमिलनाडु मे, वामपंथी दलों की केरल में सरकार है।

इंडिया गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, आम आदमी पार्टी (आप), जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावादी), जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एमडीएमके), विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके), कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), मनिथानेय मक्कल काची (एमएमके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (मणि), केरल कांग्रेस (जोसेफ) शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस को छोड़ कर अन्य राजनीतिक दलों का अपने-अपने प्रदेशों में ही प्रभाव है। यदि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल अपने पुराने मतभेद भुलाकर एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं और आपसी समझदारी से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के समक्ष एक ही उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारते हैं तो निश्चित रूप से भाजपा को कड़ी चुनौती दे पाएंगे। हालांकि इंडिया गठबंधन में 26 राजनीतिक दल तो शामिल हो गए हैं। लेकिन उनमें अभी भी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर संशय बरकरार है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि दिल्ली व पंजाब को कांग्रेस उनके लिए छोड़ दे। बदले में अन्य प्रदेशों में आप कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारेगी। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है जहां ममता बनर्जी चाहती है कि कांग्रेस व वामपंथी दल उनके खिलाफ चलाए जा रहे अपने राजनीतिक अभियानों को रोककर उनका सहयोग करें ताकि भाजपा को हराया जा सके। ममता बनर्जी का कहना है कि बंगाल में वैसे भी वामपंथी दलों व कांग्रेस का आधार समाप्त हो गया है। ऐसे में यदि वह तृणमूल कांग्रेस को सहयोग करते हैं तो पूरे बंगाल में विपक्षी दलों का प्रभाव बढ़ने से भाजपा का सफाया हो सकता है। पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों तक लगातार वाम मोर्चे का शासन रहा था। वाम मोर्चे को हराकर ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी बंगाल में सत्तारुढ़ हुई है। ऐसे में वामपंथी दलों को लगता है कि यदि उन्होंने पश्चिम बंगाल को ममता दीदी के हवाले कर दिया तो वहां उनका रहा सहा जनाधार भी समाप्त हो जाएगा। केरल में भी कांग्रेस व वामपंथी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते हैं। मगर देश के अन्य प्रदेशों में मिलकर चुनाव लड़ते हैं। ममता बनर्जी व अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस से केरल की तरह ही सामंजस्य चाहते हैं।

पटना में आयोजित हुयी 16 राजनीतिक दलों की मीटिंग से भाजपा में भी हलचल मच गई थी। इसी कारण बेंगलुरु मीटिंग के दिन ही भाजपा ने नई दिल्ली में एनडीए गठबंधन की बैठक का आयोजन किया और उसमें छोटे बड़े मिलाकर 38 दलों के नेताओं को शामिल किया था। इतना ही नहीं उस बैठक में पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। केंद्र में दूसरी बार सत्तारुढ़ होने के बाद भाजपा ने शायद पहली बार एनडीए गठबंधन की बैठक बुलाई थी। वह भी उस स्थिति में जब उनको लगने लगा कि विपक्षी दलों का गठबंधन राजनीतिक रूप से उनके गठबंधन से बड़ा होने जा रहा है। भाजपा ने एनडीए की बैठक में ऐसे दलों को भी शामिल किया जो हाल ही में एनडीए से जुड़े थे। एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों के नेताओं की बातें सुनीं और उन पर गंभीरता पूर्वक विचार करने की बात भी कही। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और उसका पूरे देश में प्रभाव भी है। ऐसे में कांग्रेस के नेता चाहेंगे कि इस गठबंधन की कमान कांग्रेस के हाथों में रहे। जिससे सभी दलों में समन्वय बनाकर आगे बढ़ा जा सके। वैसे भी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश राजनीतिक दल पहले से ही यूपीए में शामिल थे। जिसका नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही थी। हालाँकि अरविन्द केजरीवाल, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार जैसे नेता नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस को नए बने गठबंधन की कमान मिले।

खुशियों की दस्तक

राजेंद्र प्रसाद

जीवन में प्रसन्नता हमारे अंतर्मन और बाह्य वातावरण के लिए जिम्मेदार है। इसे थोपा नहीं जा सकता और न ही खरीदा जा सकता है। प्रसन्नता हमें सुखी, संतोषी और धैर्यवान बनाने में मदद करती है। जीवन में भिन्न-भिन्न प्रकार की उठापटक संभव है, जिससे हमारे ऊपर सुख-दुख और हर्ष-विषाद की केंचुली आ जाती है। मन में प्रसन्नता की जड़ अगर जमी हो तो बाहर का पौधा रूपी आवरण उमंग, उत्साह और उल्लास जगाता है। हमारी बुनियादी इच्छा रहती है कि खुश रहें, पर इसके लिए अपने व्यक्तित्व को ढालना-पालना और समृद्ध करना भी जरूरी है। इच्छा मात्र से उसे पाया नहीं जा सकता। खास बातों पर गौर करके उसे मूर्त रूप दिया जा सकता है।

प्रसन्नचित्त वातावरण जीवन में उम्मीद और नई राह दिखाता है। सामान्यतः हम स्वार्थ, संकीर्णता, लोभ-लाभ के चक्कर में सगे-संबंधियों और मित्रों को खोकर निराशा पैदा कर लेते हैं। जैसे वक्त के रुख से अखबार सुबह कीमती होता है और शाम को रद्दी बन जाता है। वैसे ही जीवन में कुछ लोग झटकों से बिखर जाते हैं और किसी को अपने नजदीक न पाने से मन शोक में डूब जाता है। ऐसी नकारात्मकता से जीवन निरर्थक लगता है और अजीब से वैराग्य से मन बेचैन हो उठता है। वास्तव में हम आनंद की इच्छा रखते हैं तो प्रसन्नता के काम करने की सख्त जरूरत है। प्रसन्नता जीने का अर्थ प्रदान करती है और एक नई रोशनी की तरफ ले जाती है, जिससे आगे बढ़ने और कुछ श्रेष्ठ संकल्प से अपना रास्ता आसान कर सकते हैं। परिस्थितियों को सामान्य करने की सामर्थ्य खुद को प्रसन्नभाव से रखने और दूसरों को प्रसन्नचित्त बनाने में ही है। ऐसी ऊर्जा से युक्त जीवन हर छोटी-बड़ी चुनौती से संघर्ष की क्षमता रखता है। उसमें व्यवधानों को दरकिनार करने की ताकत आती है। कुछ लोग प्रसन्नता को साधनों और धन की उपलब्धता से जोड़ लेते हैं।

जब हम अपने पूर्वजों के अतीत में झांकते हैं तो हमें सच्चाई के दर्शन जरूर हो सकते हैं, जो संसाधनों के अभाव के बीच संतोषी बने रहते थे। उन्होंने अपने भुजबल से पर्वत, चट्टानों और उबड़-खाबड़ रास्तों को सही बनाया। पानी की किल्लत से निपटने के लिए तालाब, पोखर, कुएं आदि बनाए। यह सब जूझने और संकल्प शक्ति से ही संभव हुआ। इसलिए हमें अपने जीवन में प्रसन्नभाव की कमी नहीं होने देनी चाहिए। ऐसा जीवट सही राह दिखाता है और आनंद के खेत को हरा-भरा रखता है। इससे अर्थपूर्ण जीवन के रास्ते खुले रहते हैं। कई उदाहरण हमारी आंखें खोलते हैं। तितली की उम्र आमतौर पर चौदह दिनों की होती है, पर वह हर पल मस्ती में बिताती है। हमें दबाव के बीच काम करना पड़े तो प्रेशर कुकर से सीख सकते हैं। ऊपर दबाव, नीचे आग और फिर भी कुकर सीटी बजाता है, क्योंकि इससे दबाव का समाधान होता है।

खुश रहना है तो अधिक ध्यान उस पर दें जो आपके पास है, न कि उस पर जो दूसरों के पास है। खुशी बड़ी उपलब्धियों में नहीं है, बल्कि छोटे पलों को जीने में है। छोटी खुशी छोटी लगती है, लेकिन जब उसे बांटते हैं तो छोटी होने पर भी बड़ी और बेशकीमती होती है। ऐसे खजाने को छोटी-छोटी बातों में नहीं गंवाना चाहिए। खुशी के लिए बहुत इकट्ठा करना पड़ता है, ऐसा हम समझते हैं, लेकिन उसके लिए बहुत कुछ छोड़ना पड़ता है, ऐसा अनुभव कहता है। अगर खुशी के लिए काम करेंगे तो शायद खुशी न मिले, लेकिन खुश होकर काम करेंगे तो खुशी और सफलता मिलना संभव है। ज्यादातर खुशी उनको नहीं मिलती जो शर्तों पर जीते हैं। खुशी उनको मिलती है, जो दूसरों की खुशी के लिए शर्तें बदलते हैं। खुशियां चंदन की तरह दूसरों के माथे पर सजाई जाएं तो अपनी अंगुलियां महक उठेंगी। खुशियां देने से मन हल्का होता है, पर किसी का दिल दुखा कर अपने लिए खुशियों की उम्मीद नहीं करना चाहिए। कुछ लोग चुपचाप संघर्षरत होते हैं। संभव है, आपकी मदद से उनके दिन फिर जाएं। जिसने दूसरों की खुशी में अपनी खुशी देखने का हुनर सीखा है, वह कभी दुखी नहीं हो सकता। मनुष्य अगर अपनी इच्छाओं को घटाकर देखे तो खुशियों का संसार बस जाएगा। खुशी के विषय में जितना सोचा जाए, हम उतना ही खुश रहेंगे और दुख के विषय में सोचेंगे तो हम दुखी रहेंगे। छोटी खुशियां ही जीने का सहारा बनती हैं। इच्छाओं का क्या है, वे तो पल-पल बदलती हैं। हर समय खुश रहना चाहिए, क्योंकि परेशान होने से कल की मुश्किलें खत्म नहीं होंगी, बल्कि आज का सुकून भी चला जाएगा। अगर हम खुद को खुश नहीं रखेंगे तो दूसरों को कैसे खुश कर सकेंगे? जो चीज हमारे पास है ही नहीं, उसे हम दूसरों को कैसे बांट सकते हैं? कहा भी गया है कि जो लोग दूसरों को अपनी खुशियों में शामिल करते हैं, खुशियां सबसे पहले उनके दरवाजे पर दस्तक देती हैं।

समझनी ही होगी प्रकृति की मूक भाषा

योगेश कुमार गोयल

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हमें यह भली-भांति जान लेना चाहिए कि इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है।

सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में बताया गया है कि प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है।

कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं।

इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्त्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं।

जिला भूमि व जल संरक्षण समिति की बैठक संपन्न, कई परियोजनाएं अनुमोदित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला भूमि व जल संरक्षण समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी, जंगीपुर विधानसभा के विधायक वीरेंद्र यादव की मौजूदगी में संपन्न हुई। इस बैठक में विधानसभा सदर के विधायक प्रतिनिधि, राजन सिंह ब्लाक प्रमुख बिरनो, अतिंद्र सिंह उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मनरेगा अंतर्गत 250 हे0 की परियोजनाएं, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 9 तालाब एवं प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 800 हे0 की परियोजनाएं तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना अंतर्गत 608 हे0 की परियोजनाएं अनुमोदित की गई। समिति के सचिन भूमि संरक्षण अधिकारी जीतलाल गुप्ता ने बताया की सरकार द्वारा चलित समस्त योजनाओं में प्रमुख योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत मनरेगा कन्वर्जेंस से जल भराव वाले क्षेत्र सैदपुर मनिहारी जमानिया ब्लॉक में 250 हेक्टेयर की परियोजनाओं द्वारा ट्रेन बनाकर जल निकासी कराया जाएगा। जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव तथा गाजीपुर सदर विधायक के प्रतिनिधि द्वारा ग्राम बोगना एवं ग्राम धरम्मरपुर में ड्रेन बनाने का प्रस्ताव दिया गया। इसी प्रकार सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा चालित खेत तालाब के अंतर्गत चयनित कृषकों को 22203 मी0 52हजार 500 रूपए का अनुदान किया जाएगा। जिसका उद्देश्य वर्षा के जल का संचयन एवं भूतल के जल स्तर को बढ़ावा देना एवं खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में, अभियान चलाकर किसानों को जागरूक करना है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 800 हेक्टेयर की आठ परियोजनाओं में चयनित अल्पसंख्यक ब्लॉक भदौरा में बंजर सुधार और समतल क्षेत्र में कंटूर बांध, पेरीफेरल बांध, मार्जिनल बांध एवं चेक डैम का कार्य कराया जाएगा। जिससे भूमि को अधिक से अधिक उपजाऊ बनाया जाए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना अंतर्गत आठ गांवों में बीहड़झ बंजर सुधार, कम उपजाऊ और समतल क्षेत्र में कंटूर बाद एवं चेक डैम का निर्माण कार्य कराया जाएगा। जिससे उक्त क्षेत्र में कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ेगी।

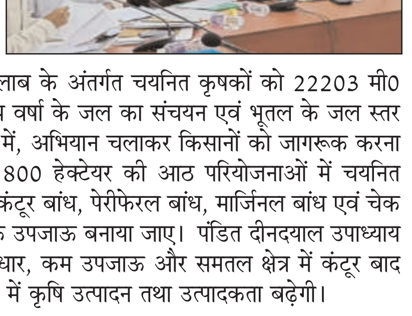

विकास भवन में जिलाधिकारी वाराणसी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ राकेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष की हुई बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विकास भवन में मीटिंग हॉल में जिलाधिकारी वाराणसी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ हुई बैठक` वाराणसी जिला के 694 ग्राम सभा में पानी का स्टेटस भागने से जल का संकट बैठक में जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने जिला अधिकारी से गांव सभा के 80 प्रतिशत हैंड पंप पानी छोड़ दिया है गांव सभा में बजट रहने के कारण हैंडपंप बनवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ` जिलाधिकारी महोदय से जिलाध्यक्ष निवेदन किया कि जिले से ग्राम सभा को कुछ बजट दिया जाए जिससे हैंडपंप बनवाने में सहायता हो सके इतना ही नहीं जिले में ट्यूबेल एमपी से भी पानी छोड़ दिया है इस समय सबसे ज्यादा किल्लत सेवापुरी ब्लॉक आराजी लाइन ब्लॉक में चल रहा है यदि बजट नहीं दिया गया तो प्रधान भी हैंड पंप बनवाने से हाथ उठा देंगे गावों में जल स्त्रोत नीचे चले जाने से सैकड़ों हैण्डपम्पों ने पानी छोड़ा, ग्रामीण चिंतित रामेश्वर पंचक्रोशी के तीसरे तीर्थ पड़ाव स्थल रामेश्वर इलाके में एक सप्ताह पूर्व से जलस्त्रोत नीचे चले जाने से गावों में लगे हैण्डपम्पों से पानी नही निकलने से ग्रामीण काफी चिन्तित एवं परेशान है ग्रामीणों ने बताया इधर एक सप्ताह से हैण्डपम्प पानी छोड़ रहा था तो लोगो ने सोचा कि कोई तकनीकी खराबी होगी लेकिन धीरे धीरे हर क्षेत्र से हैण्डपम्प से पानी नही निकलने की शिकायत जब सामने आयी तो लोगो ने ग्राम प्रधान से सम्पर्क कर जांच करवायी` जांच करने गये मैकेनिक ने बताया कि हैण्डपम्पों में कोई खराबी नही बल्कि क्षेत्र में जलस्त्रोत नीचे चले जाने के कारण हैण्डपम्प पानी छोड़ दिया है लोगो ने बताया कि हैण्डपम्प चलाने पर पानी न निकलकर एयर बनाकर झटका मार रहा है झटका इतना तेज है कि होशियारी न बरतें तो चोट लग जाय प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि जिले के आठो ब्लॉक के ब्लॉक अध्यक्ष हमें फोन करके अवगत कराएं की इस समय जल की बहुत ही संकट है अध्यक्ष जी इस पर अधिकारियों से बात करिए तो प्रधान प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से हैंड पंप के समस्याओं से अवगत कराएं` इस समय समस्या पूरे जिले में आ गया है गांवों में हैण्डपम्पों से पानी आना बंद हो गया है पानी का जलस्त्रोत एकाएक नीचे चले जाने से हैण्डपम्पों के अलावा निजी नलकूप व राजकीय नलकूप भी पानी छोड़ रहे है पानी का जलस्त्रोत नीचे जाने की खबर इन दिनों क्षेत्र में जंगल मे आग की तरह फैल गयी है पानी के जलस्त्रोत को लेकर ग्रामीण काफी चिंतित एवं परेशान है ग्रामीण पानी पीने के लिये दूसरे के नलकूप का सहारा लेकर बाल्टियों में पानी भरकर ला रहे है नजारा देखना है तो इन इलाकों में हैण्डपम्पों की स्थिति को देखा जा सकता है इस समस्या के प्रति प्रधान संघ के संरक्षक जगापट्टी के ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव ने कहा कि जल स्त्रोत नीचे चले जाने के कारण क्षेत्र के लोग परेशान है ग्रामीण हैंडपंप का सामान लेने के लिए प्रधान के यहाँ दौड़ लगा रहे है ग्राम प्रधानों ने अपनी मजबूरी बताया कि खाते में पैसा नही है सामग्री कहा से दिया जाय` इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधानों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी से मिलकर एक पत्रक देकर इस समस्या की ओर ध्यान देने की पुरजोर मांग की है प्रतिनिधि मंडल में प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, संरक्षक, ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव, ब्लाक अध्यक्ष नितिन सिंह,गगन सिंह,कैलाश यादव, ओमप्रकाश वर्मा, निशार अंसारी,संजय यादव सहित अन्य लोग शामिल थे।

सार्वजनिक शौचालय बना कूड़े का अंबार लोग खुले में शौच करने के लिए मजबूर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मनिहारी ब्लाक अन्तर्गत सराय गोकुल गांव में लाखों की लागत से सार्वजनिक शौचालय का निर्माण लगभग 10 वर्ष पहले हुआ था, लेकिन आज ग्राम प्रधान की मनमानी और उपेक्षा के चलते यह शौचालय पूर्ण रूप से निष्प्रयोज्य हो गया है। उस सार्वजनिक शौचालय के चारों तरफ गंदगी का ढेर लगा हुआ हुआ है लोग वहां कूड़ा फेंक रहे हैं। ग्राम प्रधान की संवेदनहीनता और दुर्भावना के चलते ग्रामवासियों को शौच के लिए बाहर सड़क पर जाना पड़ता है। यह आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला सचिव इंद्रजीत कुशवाहा ने कहा कि इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को भी दरख्वास्त देकर अवगत कराया जा चुका है लेकिन आज तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी की यह सोच थी कि कोई भी महिला या पुरुष घर से बाहर शौच के लिए न जाये लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते उनका मंसूबा पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से ग्रामवासियों की सुविधा के लिए जल्द से जल्द इस सार्वजनिक शौचालय को मरम्मत कराने के साथ साथ साफ सुथरा कराने की भी मांग किया ताकि ग्रामवासियों को शौच के लिए मुश्किल का सामना न करना पड़े।

वकील पर प्राणघातक हमला, एफआईआर दर्ज

प्रखर वाराणसी। लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र के लमही गांव में लेनदेन के विवाद में मारपीट हो गई। जिसमें वकील समेत पांच लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात लमही निवासी सूर्यबली के घर एढे गांव निवासी राजन पांडेय से 5 हजार रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। जिसमें राजन पांडेय घायल हो गए। राजन पांडेय की तहरीर पर देर रात लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। उसी मारपीट की प्रतिक्रिया के रूप में शुक्रवार की सुबह राजन पांडेय दर्जनों लोगों के साथ लमही गांव में सूर्यबली के घर पहुंच गए। और बात विवाद के बाद मारपीट शुरू हो गई। जिसमें सूर्यबली उनके वकील दीपक सिंह समेत राजबली, सुनीता देवी, रूपाली गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को आनन-फानन में डीडीयू स्थित स्ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इधर लमही गांव में फोर्स की

तैनाती कर दी गई है। लालपुर पांडेयपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्यवाही की जाएगी। संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया।

सूद के रुपये न देने पर सूदखोर ने सटाया असलहा

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के दबेथुवा गांव में एक सूदखोर द्वारा सिलाई कर जीवन यापन करने वाले युवक को असलहा सटा कर जान से मारने की धमकी दी। जबकि पीड़ित के मुताबिक 75 हजार के बदले 2 लाख दे चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। बताते हैं कि दबेथुवा निवासी घनश्याम मौर्य सिलाई कर अपने परिवार का जीवन यापन करता है। उसने जरूरत पर उसने बगल के गांव निवासी प्रवीण राय डबलू से 75 हजार रुपए लिया था। उसके बदले 2 लाख रुपए सूद समेत चुकता कर दिया, लेकिन सुबह 7 बजे घर पर पहुचे सूदखोर ने एक लाख रुपए और मांगने लगा। जिसपर उसने 3 हजार रुपए देने की बात कही तो वह आग बबूला हो गया और गाली गलौज देते हुए पिस्टल सटा दिया और कहाकि यदि एक लाख रुपए नही दिए थे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति व शक्ति दीदी अभियान के तहत जनपद के समस्त थानों पर गठित एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिलाओं और बालिकाओं से उनकी समस्या के बारे में जानकारी हासिल कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद के खेतासराय थाना क्षेत्र के मनेछा में थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव व महिला पुलिस टीम ने हाफिजुल्लाह नाना इंटर कॉलेज में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में छात्राओं रही। महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा संवाद कर

छात्राओं से उनकी समस्याओं व शिकायतों के विशेष में जानकारी प्राप्त की गई तथा उनके निस्तारण हेतु तत्काल प्रयास किए गया। छात्राओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान,नारी स्वावलंबन के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे- 1090,112,1076, 1098, 108, की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

मेडिकल कॉलेज निर्माण में करोड़ों का हुआ भ्रष्टाचार

तत्कालीन पीएम समेत आधा दर्जन पर बिजलेन्स ने दर्ज किया मुकदमा, नियमों को ताक पर रखकर किया गया हेराफेरी

प्रखर जौनपुर। जिले के सिद्धीकपुर के निमार्णाधीन उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय करोड़ों का हुए भ्रष्टाचार को लेकर विजिलेंस प्रयागराज इकाई ने तत्कालीन परियोजना प्रबंधक समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ करोड़ों के खपले में मामला दर्ज कर दिया गया है। नियमों को ताक पर रखकर हेराफेरी की गई है । यह कार्रवाई निमार्णाधीन एजेंसी राजकीय निर्माण निगम व टाटा प्रोजेक्ट के जिम्मेदारों के खिलाफ की गई है।

उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण कार्य समय से न पूरा होने पर और निर्माण एजेंसियों द्वारा बार-बार बजट को बढ़ाने की मांग को लेकर जांच कराई गई। जिसमें सतर्कता अधिष्ठान प्रयागराज की ओर से एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि निमार्णाधीन राजकीय मेडिकल कॉलेज में नियमों को ताक पर रखकर भुगतान किए गए हैं, जिसमें 334.38 करोड रुपए बिना टेंडर किए हेराफेरी किया गया और नियम विरुद्ध है। लेनदेन में हेराफेरी की और नियम विरुद्ध खर्च किए गए। जिनका कोई हिसाब नहीं है इसमें तत्कालीन आरपी सिंह व तत्कालीन अपर परियोजना प्रबंधक पीएन सिंह की संलिप्तता पाई गई ।इसके अलावा इलेक्ट्रिक कार्य में 23.45 और रुपए अपर परियोजना प्रबंधक विद्युत इकाई वाराणसी मनोज कुमार यादव हेराफेरी खर्च कर खर्च किए हैं। इसमें काफी अनियमितता पाई गई। इस तरह निर्माण कार्य में मानक के विपरीत गुणवत्ता हीन सामानों का प्रयोग करना, परियोजना की लागत बढवा कर अनुचित लाभ लेना, इसके अलावा अन्य काफी हेराफेरी पाई गई। जिसमे पूरी तरह भ्रष्टाचार किया गया। जिसमें राजकीय निर्माण निगम के तत्कालीन परियोजना प्रबंधक राजेंद्र प्रताप सिंह ग्राम कुशहा पोस्ट अदलपुरा कोतवाली मिजार्पुर, अपर परियोजना प्रबंधक पदनाथ सिंह आसिफ गंज, आजमगढ़ , तत्कालीन नोडल अधिकारी डॉ शिव प्रकाश ग्राम मुरारा पोस्ट पधारा फतेहपुर, तत्कालीन अपर परियोजना प्रबंधक इलेक्ट्रिकल मनोज कुमार यादव ग्राम रामगांव पोस्ट पलही पट्टी, सिंधोरा, वाराणसी तत्कालीन लेखाकार ज्ञान प्रकाश सिंह ग्राम जोखत पोस्ट खीरी प्रयागराज एवं टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के प्रबंधक मोहम्मद इंतिखाब आलम निवासी न्यू हैदरगंज अमन विहार कैंम्बेल रोड लखनऊ को दोषी पाया गया और इनके बाद इनके ऊपर भ्रष्टाचार अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

मेडिकल कॉलेज में भ्रष्टाचार की शिकायत को लेकर मुकदमा दर्ज होने का मामला संज्ञान में आया है जांच होगा जो भी होगा दूध का दूध पानी का पानी होगा , फिलहाल अभी हम इस बारे में अस्पष्ट कुछ नहीं कह पाएंगे। -पी.एन. सिंह (तत्कालीन अपर परियोजना प्रबंधक राजकीय निर्माण निगम)

मानसून 2023 एनडीआरएफ राहत-बचाव ऑपरेशन के लिए तैयार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक, 11 एनडीआरएफ वाराणसी के अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारी एवं एनडीआरएफ टीमों की तैनाती इत्यादि विषयों के संबंध में पत्रकार वार्ता का आयोजन गौतम बुद्ध भवन, मकबूल अलम रोड, वाराणसी परिसर मे किया गया` मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने बताया कि मानसून सीजन ने उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में दस्तक दे दी है इस संदर्भ में एनडीआरएफ लगातार आईएमडी, सीडब्ल्यूसी, सिंचाई विभाग, नेपाल जल विज्ञान और मौसम विज्ञान इत्यादि एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है और मानसून की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश शासन, एसडीएमए, राहत आयुक्त, एसडीआरएफ से समन्वय बनाते हुए टीम को प्रीपोजिशन कर दिया गया है जिसमें बहराइच, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, भोपाल एवं जबलपुर मे 01-01 टीमें बाढ़ राहत हेतु तैनात है वाराणसी में दशाश्वमेध घाट एवं राजघाट घाट मे 01-01 टीम बाढ़ राहत तथा सावन महोत्सव हेतु तैनात है।

10 हजार का इनामिया व गैंगस्टर एक्ट का वांछित को भावरकोल पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों, वांछित अभियुक्तो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी हमराह द्वारा गुरुवार को ग्राम इमलिसपुर थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र

ममुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 30.06.2023 को पंजीकृत मु0अ0सं0 105/23 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट थाना भाँवरकोल जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित अभियुक्त विनय कुमार पुत्र अंगद राम निवासी ग्राम इमलिसपुर थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर को प्रभारी निरीक्षक मय कुमार राय थाना भांवरकोल गाजीपुर, कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार यादव थाना भांवरकोल, कांस्टेबल शुभम यादव थाना भांवरकोल, कांस्टेबल सूर्य प्रकाश गुप्ता थाना भांवरकोल, कांस्टेबल मनोज यादव थाना भाँवरकोल, महिला कांस्टेबल प्रिंयका राव तथा पूजा गौतम थाना भाँवरकोल गाजीपुर शामिल रहे।

नैनो उर्वरकों पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को जनपद गाजीपुर स्थित जिला पंचायत सभागार में इफको नैनो उर्वरकों पर आधारित जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरोजेश सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विरेन्द्र सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी संघ, गाजीपुर, विशिष्ट अतिथि विजय शंकर राय निदेशक इफको नई दिल्ली, श्रीकांत गोस्वामी प्रबंध निदेशक, पीसीयू, लखनऊ, उप आयुक्त एवं उप निबंधक सहकारिता,वाराणसी मंडल कैलाश चंद सचिव जिला सहकारी बैंक, जसवीर सिंह उप महाप्रबंधक इफको लखनऊ, अंसल कुमार सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, गाजीपुर रहे तथा जनपद स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारी गणों द्वारा जनपद के समस्त सहकारी समितियों के सचिवों, अध्यक्षों एवं प्रगतिशील किसानों के बीच नैनो यूरिया, नैनो डीएपी की प्रयोग विधि के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा नैनो

यूरिया को बढ़ावा देते हुए रासायनिक यूरिया को कम करने का आग्रह किया गया, जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष द्वारा सहकारी समितियों को नैनो यूरिया व नैनो डीएपी को किसानों के बीच पहुंचाने के लिए कहा गया क्योंकि समिति ऐसी जगह है जहां से छोटे से छोटा किसान जुड़ा है। इफको के निदेशक द्वारा रासायनिक खाद का प्रयोग कम करते हुए नैनो उर्वरक को प्रयोग को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा कार्यक्रम में आए समस्त सदस्यों का स्वागत करते हुए नैनो उर्वरकों को सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदर्शन द्वारा किसानों के बीच पहुंचाने का कार्य करने का आग्रह किया गया। इफको लखनऊ से आए उप महाप्रबंधक द्वारा रासायनिक यूरिया के नुकसान को बताते हुए तथा नैनो यूरिया के लाभ, विशेषताएं एवं प्रयोग विधि के बारे में विस्तार से बताया गया ' उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया 500 एमएल की बोतल 225 रुपए में किसानों को उपलब्ध हो रही है जबकि यूरिया के एक बैग की कीमत 266 .50 पैसे है और यदि उसमें सरकार द्वारा सब्सिडी जोड़ दी जाए तो यूरिया की एक बैग की कीमत लगभग 2300 होती है जिससे देश को अरबों रुपए की सब्सिडी से आर्थिक नुकसान होता है, साथ ही साथ परंपरागत यूरिया के प्रयोग से मिट्टी जल एवं वायु तीनों प्रदूषित होते हैं जबकि नैनो यूरिया पूरी तरह से पर्यावरण के लिए सुरक्षित है उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया के रखरखाव एवं लाने ले जाने में भी कोई अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता है उन्होंने यह भी बताया कि बहुत जल्द ही जनपद में नैनो डीएपी किसानों के लिए उपलब्ध हो जाएगी जिसकी कीमत प्रति बोतल 600 होगी जो परंपरागत डीएपी से आधे दाम से कम में उपलब्ध होगी। नैनो डीएपी को दो बार में प्रयोग करना है प्रथम बार बीज शोधन के लिए 5 एमएल प्रति किग्रा बीज की दर सें या जड़ शोधन करने के लिए 3 से 5 एमएल नैनो डीएपी प्रति लीटर पानी घोल बनाकर सोधित करके बुवाई करे तत्पश्चात बुवाई के 35 दिन के बाद 2 से 4 एमएल प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर खड़ी फसल में छिड़काव करे। इस दौरान कार्यक्रम में जनपद के समस्त सहकारी समिति के सचिव, अध्यक्ष सहित 180 लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद सचिन तिवारी क्षेत्र अधिकारी इफको गाजीपुर द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

18 लाख के अवैध गांजा व पिकअप के साथ 03 अंतर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी सहित प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां, स्वाट/सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दिनांकः27.07.2023 को थाना कछवां पुलिस टीम द्वारा की जा रही संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की सघन चेकिंग के दौरान पिकअप सवार तीन व्यक्तियों 1.सुभाषचन्द्र यादव, 2.ओमप्रकाश यादव, 3.राकेश यादव निवासीगण महगांव थाना राजातालाब जनपद वाराणसी को पिकअप पर गद्दा व बोरियों के बीच में छिपाकर लादे गये 50 बण्डलों में कुल 50 किग्रा अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कछवां पर मु0अ0सं0-106/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा जा रहा है। गांजा परिवहन में प्रयुक्त पिकअप को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। पकड़े गये अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोग उड़ीसा से पिकअप में गांजा छिपाकर लादकर जनपद वाराणसी में लाकर एक व्यक्ति को देते है जो मांग के अनुसार जनपद वाराणसी सहित अन्य आसपास के जनपदों में बिक्री करता है। जिससे हम लोगो की अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी.कॉलेज पर मिशन शक्ति के अन्तर्गत गोष्ठी आयोजित

प्रखर जौनपुर। फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी.कॉलेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत एक गोष्ठी आयोजित की गयी।गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली शाहगंज आदेश कुमार त्यागी रहे। अपने संबोधन में आदेश कुमार त्यागी ने मिशन शक्ति कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित छात्र/छात्राओ को सम्बोधित करते हुए कहा की शक्ति मिशन मूल रूप से नारी सुरक्षा, नारी सम्मान तथा नारी स्वावलंबन से जुड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि सशक्त नारी से सशक्त प्रदेश का निर्माण होता है। उन्होंने उपस्थित छात्राओ को आह्वान किया कि अपने अन्दर आत्मविश्वास पैदा करें। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास ज्ञानार्जन से पैदा होता है, अतः आप लोगों का ध्यान ज्ञानार्जन पर केंद्रित होना चाहिए। आप को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है आप बिना किसी भय के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करे। छात्रों को समझाते हुए कहा कि अपना समय बर्बाद करने से बचें तथा नारी शक्ति का सम्मान करें। इस बीच नारी सुरक्षा से संबंधित हेल्प लाइन के बारे में छात्राओ को जागरूक किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने प्रभारी निरीक्षक आदेश कुमार का माल्यार्पण कर स्वागत किया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य सर सैयद अहमद इंटर कॉलेज तालीमाबाद सबरहद मुहम्मद शाहिद नईम ने भी अपने विचार रखे साथ ही कोतवाली शाहगंज से आयी महिला पुलिस कर्मियों ने भी छात्राओ को सम्बोधित किया।अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 तबरेज आलम ने प्रभारी निरीक्षक शाहगंज सहित आए पुलिस टीम एवं अन्य अतिथियों के प्रति महाविद्यालय की तरफ से आभार व्यक्त किया।

सरकार व सांसद का पुतला फुकने पर बीस नामजद्द और एक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी पुलिस चौकी अंतर्गत बराई गाँव मे सुखी नहर मे पानी न छोड़े जाने से नाराज किसानो ने वर्तमान सरकार और सांसद का पुतला एक दिन पहले जला दिया था। मामले की जानकारी होने पर स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छह को गिरफ्तार कर लिया। प्रतिमात्मक पुतला जलाने के मामले मे पुलिस ने पुतला जलाने वालो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश मे जुटी रही। थानागद्दी पुलिस चौकी प्रभारी युगल किशोर राय ने बताया की सरकार का व सांसद बीपी सरोज का पुतला फुकने के मामले मे बीस नामजद्द और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया हैं जिसमे से छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं बाकि अन्य के गिरफ्तारी के लिये जगह जगह दबिश दी जा रही हैं।

जल एवम भूजल सरंक्षण तथा सड़क सुरक्षा की जागरूकता के लिए निकली रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल संरक्षण एवं भूजल संरक्षण तथा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत डिग्री कॉलेज मलिकपूरा के शिक्षार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा जन जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। रैली के द्वारा लोगों को जल तथा भूमिगत जल को बचाने तथा सड़क पर चलते समय सुरक्षा के नियमों का पालन करने की सीख दी गई। प्रभात फेरी के उपरांत रैली महाविद्यालय में पहुंचकर गोष्ठी के रुप में परिवर्तित हो गई। वक्ताओं ने वर्तमान समय में जल के दोहन पर विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों से पानी की बबार्दी रोकने तथा भूमिगत जल के अनावश्यक दोहन से बचने की सलाह दी। यह बताया गया कि बगैर पानी के जीवन संभव नहीं है, इसलिए हमें भविष्य के खतरे को देखते हुए पानी को बचाने का भरपूर प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही भूमिगत जल के अनावश्यक दोहन से भी बचना चाहिए। वक्ताओं ने बढ़ते हुए पर्यावरणीय तापमान तथा वर्षा की कमी के लिए वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को भी प्रमुख कारण बताते हुए पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षा के लिए पौधारोपण कर उसकी देखभाल करने की सलाह भी दी।इसके साथ ही इस विषय पर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष अभिषेक कुमार, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 अजय कुमार चौहान व डॉ0 कुन्जलता द्वारा विस्तार से छात्रों को जनजागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शिव प्रताप यादव द्वारा किया गया।

महिलाओं में अल्जाइमर का जोखिम

कम कर सकता है योग

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिस प्रकार एमआरआई का उपयोग करके मस्तिष्क के क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में गतिविधि को मापा जाता है, उसी तरह 'कुंडलिनी योग' तनाव से प्रभावित मस्तिष्क के एक क्षेत्र में गतिविधि को बढ़ाता है, जिससे याददाश्त तेज होती है

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि महिलाओं में होने वाले अल्जाइमर और याददाश्त कम होने जैसे रोगों को सांसों पर ध्यान केंद्रित करने वाली योग क्रिया के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) के शोधकर्ताओं ने पाया कि जिस प्रकार एमआरआई का उपयोग करके मस्तिष्क के क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में गतिविधि को मापा जाता है, उसी तरह 'कुंडलिनी योग' तनाव से प्रभावित मस्तिष्क के एक क्षेत्र में गतिविधि को बढ़ाता है, जिससे याददाश्त तेज होती है। जर्नल ऑफ अल्जाइमर डिजीज के ऑनलाइन प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने हिप्पोकैम्पस के उपक्षेत्रों में कनेक्टिविटी पर स्मृति वृद्धि प्रशिक्षण (एमईटी) के दृष्टिकोण की तुलना में योग के प्रभावों का अध्ययन किया, जो सीखने और स्मृति के लिए मस्तिष्क का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

एमईटी उन तकनीकों से याददाश्त सुधारने के लिए मौखिक और दृश्यों का सहारा लेते हैं। यूसीएलए में लेट-लाइफ, मूड स्ट्रेस एंड वेलनेस रिसर्च प्रोग्राम के निदेशक, मनोचिकित्सक डॉ. हेलेन लावरेत्स्की ने कहा कि 'कुंडलिनी योग' प्रशिक्षण तनाव से संबंधित हिप्पोकैम्पस कनेक्टिविटी को बेहतर ढंग से लक्षित करता है, जबकि एमईटी हिप्पोकैम्पस के संवेदी-एकीकरण उपक्षेत्रों को बेहतर ढंग से लक्षित कर सकता है, जो बेहतर स्मृति विश्वसनीयता का समर्थन करता है।

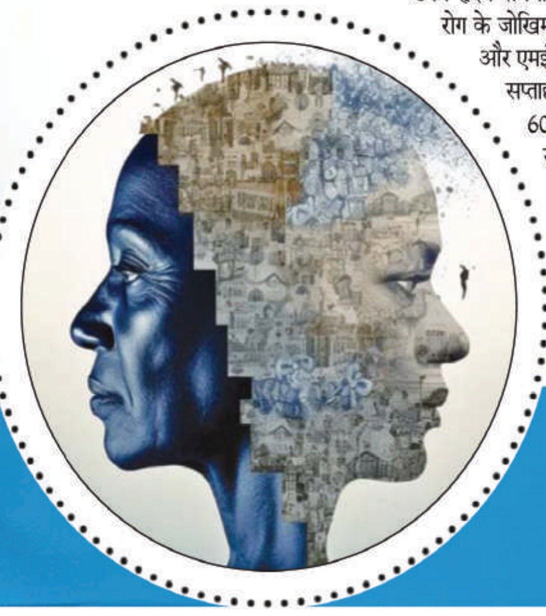

अध्ययन में 22 प्रतिभागियों को शामिल किया गया जो अल्जाइमर जोखिम पर योग के प्रभावों का अध्ययन करने वाले एक बड़े स्वतंत्र नियंत्रित परीक्षण का हिस्सा थे। 11 योग प्रतिभागियों की औसत आयु लगभग 61 थी, जबकि एमईटी समूह में यह आयु लगभग 65 रखी गई थी। सभी ने पिछले वर्ष के दौरान याददाश्त में गिरावट की रिपोर्ट की थी। साथ ही उनमें हृदय संबंधी जोखिम था, जो अल्जाइमर रोग के जोखिम को भी बढ़ा सकते हैं। योग और एमईटी दोनों समूहों में यह सत्र 12 सप्ताह तक चला, प्रत्येक सप्ताह 60 मिनट का व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्र होता था।'कुंडलिनी योग' प्रशिक्षण को ध्यान रूप क्रिया में समर्थित किया गया था। निष्कर्षों के आधार पर लेखकों ने कहा कि योग प्रशिक्षण तनाव से प्रभावित हिप्पोकैम्पस उपक्षेत्र कनेक्टिविटी को बेहतर ढंग से लक्षित कर सकता है जो याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकता है। लावरेत्स्की ने कहा, मुख्य बात यह है कि यह अध्ययन मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए योग के लाभों का समर्थन करने वाले साहित्य में शामिल है, विशेष रूप से यह उन महिलाओं के लिए जिन्हें अधिक तनाव या याददाश्त काम होने की बीमारी है। योग की क्रियाएं वृद्ध व्यस्कों के लिए आदर्श हैं। अध्ययन से पता चलता है कि योग की इन क्रियाओं से उन महिलाओं को विशेष लाभ हो सकता है जो अक्सर तनाव का अनुभव करती हैं।

'कुंडलिनी योग' प्रशिक्षण तनाव से संबंधित हिप्पोकैम्पस कनेक्टिविटी को बेहतर ढंग से लक्षित करता है, जबकि एमईटी हिप्पोकैम्पस के संवेदी-एकीकरण उपक्षेत्रों को बेहतर ढंग से लक्षित कर सकता है, जो बेहतर स्मृति विश्वसनीयता का समर्थन करता है।

लंबा कोविड : संक्रमण के दो साल बाद तक

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित

लंदन (द कन्वरसेशन)। संज्ञानात्मक कार्यों या कौशलों, जैसे पुरानी बातों को याद करने की क्षमता, कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना, या बातचीत में सही शब्द ढूंढने में आने वाली कठिनाइयां, आमतौर पर कोविड संक्रमण के बाद बताई जाती हैं। इन लक्षणों को अक्सर 'ब्रेन फ़ॉग' के रूप में संदर्भित किया जाता है, और विशेष रूप से उन लोगों में आम है जिनमें दीर्घकालिक या लगातार लक्षण होते हैं जिन्हें लॉन्ग कोविड कहा जाता है। मार्च 2023 की नवीनतम गणना के अनुसार, यूके में लंबे समय तक कोविड से पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए, आमतौर पर संज्ञानात्मक कार्य पर ब्रेन फॉग और लंबे कोविड के प्रभावों की प्रकृति, आकार और अवधि को समझना महत्वपूर्ण है। एक नए अध्ययन में, मैं और मेरे सहकर्मी यह समझने के लिए निकले कि क्या कोविड संक्रमण, और लक्षण अवधि, संज्ञानात्मक परीक्षणों में प्रदर्शन को प्रभावित करती है, और समय के साथ परीक्षण प्रदर्शन कैसे बदल गया है। हमने पाया कि लगातार लक्षण वाले लोगों की स्थिति कोविड संक्रमण के दो साल बाद तक इन परीक्षणों में बदतर रही।

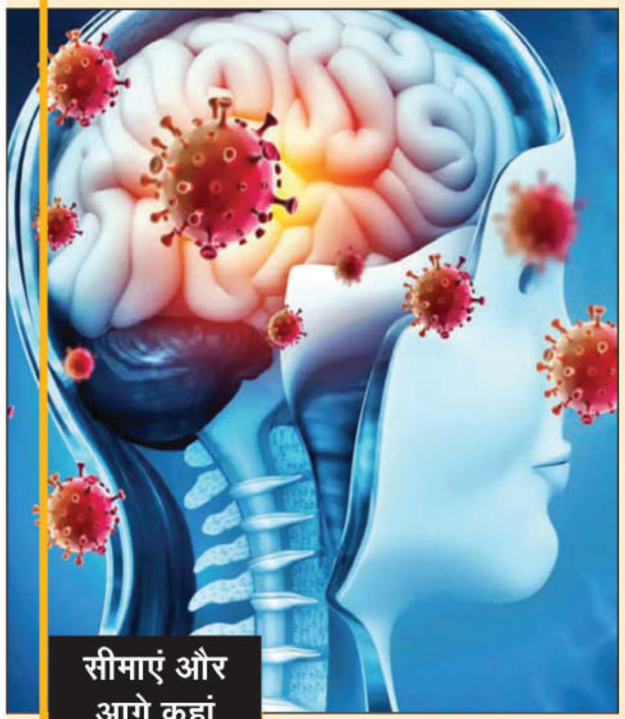

दिमागी प्रशिक्षण : संज्ञानात्मक कौशल का परीक्षण करने के लिए, हमने जुलाई 2021 में और फिर अप्रैल 2022 में 12 मस्तिष्क-प्रशिक्षण-शैली कार्यों की एक श्रृंखला को ऑनलाइन पूरा करने के लिए कोविड लक्षण अध्ययन बायोबैंक में प्रतिभागियों को आमंत्रित किया। पहले दौर में, 3,300 से अधिक लोगों ने परीक्षण पूरा किया। अन्य 2,400 ने दूसरा दौर पूरा किया, जिनमें से 1,700 ने पहले दौर में भी भाग लिया था। कोविड लक्षण अध्ययन बायोबैंक एक अध्ययन है जो 2020 में शुरू हुआ, जिसमें कोविड लक्षण अध्ययन स्मार्टफोन ऐप (अब जैडओई हेल्थ स्टडी) से लोगों को भर्ती किया गया जो लक्षणों और कोविड परीक्षणों को ट्रैक करता है। अध्ययन में 8,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया है, जिनके पास पहले से ही कोविड संक्रमण का इतिहास था और जिनके पास कम और लंबी अवधि के कोविड लक्षण थे।

कार्यों का उद्देश्य दृश्य स्मृति, ध्यान, मौखिक तर्क और मोटर नियंत्रण सहित मस्तिष्क के कामकाज के कई क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना था। कुछ कार्यों में शब्दों और आकृतियों को एक मिनट से भी कम की देरी के बाद या लगभग 20 मिनट की लंबी देरी के बाद याद रखना शामिल था। अन्य कार्यों में स्क्रीन पर दिखाई देने वाले संख्याओं के अनुक्रम को देखना और फिर अनुक्रमों को दोहराना, गतिशील 'बुल्सआई' लक्ष्य पर क्लिक करना और यह तय करना शामिल था कि क्या शब्दों के जोड़े का अर्थ समान है। परीक्षण के समान संस्करण किसी के भी लिए ऑनलाइन आज़माने के लिए उपलब्ध हैं। हमने तब रिकॉर्ड किया कि लोगों ने कार्यों को कितनी सटीकता से पूरा किया और उनकी प्रतिक्रिया का समय क्या था।

हमने क्या पाया : जब हमने तुलना की कि पहले दौर में कोविड के इतिहास वाले या बिना इतिहास वाले लोगों ने कितनी सटीकता से परीक्षण पूरा किया, तो हमने देखा कि संक्रमण वाले लोगों के 12 कार्यों में औसतन कम स्कोर थे। गहराई से जानने पर, हमने देखा कि परीक्षण प्रदर्शन पर कोविड का प्रभाव तीन महीने से अधिक की लंबी लक्षण अवधि वाले लोगों के लिए सबसे बड़ा था। ये लोग लंबे समय तक कोविड होने के मानदंडों को पूरा करते हैं।

10 लाख लोग थे जिन्होंने ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई की सूचना दी थी, और तकरीबन साढ़े सात लाख लोगों ने स्मृति हानि या भ्रम की सूचना दी थी। अल्पावधि में, ब्रेन फ़ॉग के लक्षण लोगों की उनके सामान्य दैनिक कार्यों, जैसे कामकाज और बच्चे की देखभाल, को पूरा करने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता को कम कर सकते हैं। लंबी अवधि में, हल्की संज्ञानात्मक हानि मनोभ्रंश जैसी अधिक गंभीर स्थितियों में विकसित हो सकती है। आम तौर पर कोविड संक्रमण को मनोभ्रंश के निदान के बढ़ते जोखिम से जोड़ा गया है। इसलिए छोटी और लंबी अवधि में

अल्पावधि में, ब्रेन फ़ॉग के लक्षण लोगों की उनके सामान्य दैनिक कार्यों, जैसे कामकाज और बच्चे की देखभाल, को पूरा करने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता को कम कर सकते हैं

सीमाएं और आगे कहां

हमारे अध्ययन में कुछ सीमाओं पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। हमारे पास लोगों के लिए उनके कोविड संक्रमण से पहले के परीक्षण के परिणाम नहीं हैं, जिसने हमारे विश्लेषण को विभिन्न समूहों के परिणामों की तुलना करने तक सीमित कर दिया है। इसके अलावा, हमारे प्रतिभागियों में ज्यादातर महिलाएं थीं, और ब्रिटेन की सामान्य आबादी की तुलना में श्वेत पृष्ठभूमि से आने वाले और अधिक समृद्ध क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक था। बहरहाल, हमारा अध्ययन उन लोगों की निगरानी करने और उनके सामान्य होने में सहायता करने की आवश्यकता को दर्शाता है जिनके मस्तिष्क का कार्य कोविड से सबसे अधिक प्रभावित होता है।

सनी देओल-अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की आने वाली फिल्म गदर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल, अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी। 'गदरः एक प्रेम कथा' के सीक्वल गदर 2 में एक बार फिर से सनी और अमीषा की जोड़ी नजर आयेगी। गदर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर की शुरुआत सनी देओल (तारा सिंह) अपने बेटे उत्कर्ष शर्मा (जीते) और अपनी पत्नी अमीषा पटेल (सकीना) के साथ हंसी खुशी के पल बिताते नजर आते हैं। वहीं एक वक्त ऐसा आता है जब पाकिस्तान वाले तारा सिंह से बदला लेने के लिए उसके बेटे को बंदी बना लेते हैं। सनी अपने लाडले को बचाने के लिए सरहद पार जाते हैं और एक-एक से चुन-चुन कर बदला लेते हैं। 'गदर 2 ,11 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में सनी और अमीषा के साथ उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा नजर आएंगे।

अनिल शर्मा के साथ मेरा पिता-बेटी का रिश्ता

अमीषा पटेल

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री अमीषा पटेल ने फिल्म निर्माता अनिल शर्मा पर 'गदर 2' के दौरान बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाया था, लेकिन अब अभिनेत्री ने दावा किया है कि उनके साथ उनका पिता-बेटी जैसा रिश्ता है। अमीषा 'गदर 2' में सकीना की भूमिका को दोहराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां सनी देओल एक बार फिर तारा सिंह की भूमिका निभाएंगे। बुधवार को 'गदर 2' के कलाकारों ने बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया। अमीषा ने फिल्म निर्माता अनिल शर्मा के साथ 'कड़वे-मीठे' रिश्ते के बारे में अपने विचार साझा किए। अपने किरदार में सजी-धजी अमीषा ने माइक उठाया और अपनी लड़ाई और अनिल के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की और कहा कि वे सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को ब्लॉक करते हैं। जब उनसे अनिल के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया तो अमीषा ने कहा, हम लड़ते हैं, हम व्हाट्सएप, सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को ब्लॉक करते हैं। लेकिन हम वापस आ गए हैं। यही हमारा रिश्ता है, हम यही साझा करते हैं। अमीषा ने अनिल शर्मा पर 'गदर 2' से जुड़े मेकअप आर्टिस्ट, तकनीशियन और कॉस्ट्यूम डिजाइनरों को उचित पारिश्रमिक न देने का आरोप लगाया था।

'कमांडो 4' में स्टंट और एक्शन करती नजर आएंगी

अदा शर्मा

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी फिल्म 'कमांडो 4' में एक बार फिर से भावना रेड्डी की भूमिका निभाएंगी। अदा शर्मा का कहना है कि वह ओटीटी और फिल्म के बीच आम कड़ी होंगी। विद्युत जामवाल के साथ 'कमांडो 2 और 3' में नजर आ चुकीं अदा ने कहा, हमने 'द केरल स्टोरी' की रिलीज से पहले कमांडो की शूटिंग की थी। अदा ने कहा, मैं इस आधार पर प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि यह किसी नए, अनुभवी अभिनेता या किसी लोकप्रिय व्यक्ति के साथ है। मैं जब भी किसी प्रोजेक्ट को चुनती हूं तो यह कभी भी निर्णायक कारक नहीं रहा है। मैं कमांडो 4 के ओटीटी वर्जन और फिल्म में भावना रेड्डी की भूमिका निभाऊंगी। वह ओटीटी और फिल्म के बीच आम कड़ी होंगी। अभिनेत्री ने कहा, मेरी पहली फिल्म '1920' थी और 'द केरला स्टोरी' मेरी पिछली रिलीज थी। मुझ पर वास्तव में अद्भुत भूमिकाएं निभाने का भरोसा किया गया था और मैं इसके लिए धन्य महसूस करती हूं। मुझे उम्मीद है कि सभी प्रतिभाशाली अभिनेताओं को अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी ताकि वे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर सकें। फिल्म में अदा अनोखे स्टंट और एक्शन करती नजर आएंगी।

कल्लू की फिल्म शादी बाई चांस का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू की आने वाली फिल्म शादी बाई चांस का ट्रेलर उनके जन्मदिन पर रिलीज कर दिया गया है।

फिल्म शादी बाई चांस में कल्लू के साथ मुख्य भूमिका में प्रियंका रेवारी और यामिनी सिंह है। फिल्म शादी बाइ चांस का ट्रेलर इंटर10 रंगीला के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इसमें दिखाया गया है कि कल्लू की शादी बाय चांस एक ऐसी लड़की से हो जाती है, जो उसे अपना पति तक स्वीकार नहीं करती। फिल्म में कल्लू के ससुर का किरदार अवधेश मिश्रा निभा रहे हैं जिनकी बेटी प्रियंका रेवाड़ी से कल्लू की शादी आपात परिस्थिति में होती है। लेकिन शादी के बाद कल्लू की वाइफ उसे सिर्फ नाम का पति बना कर रखना चाहती है। इसी बीच कल्लू की लाइफ में दूसरी खूबसूरत लड़की स्व. आकांक्षा दुबे की एंट्री होती है जिससे वहां शादी करना चाहता है और तभी कल्लू की पहली पत्नी आ जाती है।

ओह माय गॉड 2

का गाना हर-हर महादेव रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म ओह माय गॉड 2 का दूसरा गाना हर हर महादेव रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म 'ओह माय गॉड' के सीक्वल 'ओह माय गॉड 2' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय के साथ पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम भी मुख्य किरदार में है। ओह माय गॉड 2 का पहला गाना ऊंची ऊंची वादी हाल ही में रिलीज किया गया था। अब ओह माय गॉड 2 का दूसरा गाना हर हर महादेव भी रिलीज हो गया है। इस गाने में अक्षय कुमार शिव तांडव करते हुए नजर आ रहे हैं। बड़ी जटाओं और चेहरे पर राख लगाए, हाथ में डमरू लिए शिव की तरह कभी मंद-मंद मुस्काते तो कभी रौद्र रूप को दशति हुए अक्षय कुमार ने खुद को इसमें खुद को रम दिया है। 'हर-हर महादेव' गाने का म्यूजिक विक्रम मोंट्रोज ने दिया है, गाने को उन्होंने ने ही गाया है। इस गाने के लिरिक्स शेखर अस्तित्व ने लिखे है। ओह माय गॉड 2 का निर्देशन अमित राय ने किया है। इस फिल्म के निर्माता अश्विन वर्दे, वायकॉम 18 और जियो स्टूडियो है।

मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने वाले मामले की जांच सीबीआई करेगी

अमित शाह ने दोनों पक्षों के नेताओं से किया संपर्क, इंडिया के सांसद करेंगे राज्य का दौरा

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि गृहमंत्री अमित शाह ने शांति बहाली को लेकर प्रयास शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को उन्होंने दोनों पक्षों (मैतेई-कुकी) के प्रतिनिधियों से संपर्क किया है। पीएम मोदी व्यक्तिगत रूप से हर घटनाक्रम पर नजर रखेंगे। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही सुप्रीम कोर्ट से राज्य से बाहर सुनवाई की अपील करेगी।

असम की कोर्ट में मामले की सुनवाई की मांग की जाएगी। इसके अलावा, घटना का वीडियो जिस मोबाइल से बनाया गया था उसे भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने सीबीआई को मोबाइल सौंप दिया है। वीडियो शूट करने वाले शख्स को भी अरेस्ट कर लिया गया है। इधर, विपक्षी दलों के गठबंधन INDIA के सांसदों की एक टीम 29-30 जुलाई को मणिपुर का दौरा करेगी। इस दौरान वे हिंसा पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। इससे पहले राहुल गांधी भी मणिपुर जा चुके हैं। उधर, थोरबंग और कांगवे में गुरुवार सुबह से फायरिंग हो रही है।

दोनों जगहों पर मैतेई और कुकी आमने-सामने हैं, जहां हिंसा जारी है। हिंसा के बीच मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने मिजोरम में कुकी समुदाय के समर्थन में निकाली गई रैली पर नाराजगी जाहिर की है। इस रैली में मिजोरम के सीएम जोरमथांगा ने भी हिस्सा लिया था। बीरेन सिंह ने कहा कि जोरमथांगा को दूसरे राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार की ड्रग कार्टेल के खिलाफ लड़ाई है।

13 हजार लोगों ने म्यांमार में ली शरण

हिंसा की वजह से मणिपुर से कुकी-जोमी समुदाय के करीब 13 हजार लोगों ने पलायन कर पड़ोसी राज्य मिजोरम में शरण ली है। दरअसल, मिजोरम के मिजो जनजाति का म्यांमार के कुकी-जो जनजाति और चिन समुदाय के साथ मजबूत संबंध है। यही वजह है कि यहां कुकी समुदाय के समर्थन में रैली निकाली गई। 26 जुलाई को म्यामांर बॉर्डर के करीब मोरे गांव के घरों में आगजनी और फायरिंग हुई। मोरे गांव म्यांमार बॉर्डर से लगा हुआ है। इसमें गांव में कुकी और मैतेई दोनों समुदायों के लोग रहते हैं। हालांकि कुकी लोगों की संख्या ज्यादा है। कांगपोकपी जिले में भीड़ ने 25 जुलाई को सुरक्षाबलों की दो बसें जला दीं। अधिकारियों ने बताया कि शाम को दो बसें दीमापुर से आ रही थीं। भीड़ ने उन्हें रोका और चेक किया कि उनमें विरोधी समुदाय के लोग तो नहीं हैं। इस बीच बसों में आग लगा दी गई। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। मणिपुर पुलिस ने कहा- सेना की बसें जलाने के आरोप में एक नाबालिग समेत 9 लोगों को अरेस्ट किया गया है। उधर महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने के वायरल वीडियो वाले मामले में अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

मणिपुर घटना पर केंद्र की कार्रवाई

- केंद्र सरकार ने बताया कि मणिपुर सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश पहले ही की थी, अब 27 जुलाई को मामला सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है।
- जिस फोन में महिलाओं से दरिंदगी वाला वीडियो मिला था, उसको सीबीआई ने जब्त कर लिया है।
- ऐसी किसी और घटना की जानकारी देने वाले, भाग रहे दोषियों की जानकारी देने वाले लोगों को पुरस्कार दिया जाएगा।
- मणिपुर सूबे में कुल 35 हजार जवानों की तैनाती की गई है। इसमें सीएपीएफ, सेना और असम राइफल्स के जवान शामिल हैं।
- सुप्रीम कोर्ट से गुजारिश की गई है कि वायरल वीडियो वाले मामले का ट्रायल मणिपुर से बाहर करवाया जाए। इसी के साथ ट्रायल भी फास्ट ट्रैक में चलाने की गुजारिश हुई है, जिससे कार्रवाई चार्जशीट दाखिल होने के 6 महीने के भीतर हो सके।
- सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि वायरल वीडियो के मामले में सात लोगों की गिरफ्तारी अबतक हो चुकी है. ये सभी उस घटना में मुख्य रूप से शामिल थे. इसके अलावा वहां कर्फ्यू का नियम तोड़ने पर 13,782 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

संसद में छठे दिन भी हंगामा, बाहर काले कपड़ों में विपक्ष ने किया प्रदर्शन

राज्यसभा से विपक्ष ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा पर गुरुवार को भी संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। हालांकि रुक-रुककर हुई कार्यवाही के बीच लोकसभा में 02 बिल और राज्यसभा में 01 बिल पास हुआ। राज्यसभा ने सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) बिल पास किया, जिसमें पायरेसी के लिए 03 साल की जेल और प्रोडक्शन कॉस्ट का 5 प्रतिशत जुर्माने का प्रस्ताव है।

हंगामा कर रहे विपक्ष को स्पीकर ओम बिड़ला ने फटकार लगाई। उन्होंने कहा- पूरा देश देख रहा है, आप कैसा उदाहरण पेश करना चाहते हैं। हंगामा नहीं रुका तो सदन दोपहर 02 बजे तक स्थगित कर दिया। 02 बजे दोबारा सदन बैठा, लेकिन नारेबाजी लगातार जारी रही। एस जयशंकर और अधीर रंजन चौधरी के स्टेटमेंट के दौरान जमकर हंगामा हुआ, सदन 03 बजे तक स्थगित किया गया। हंगामे के बीच 02 बिल जन विश्वास संशोधन और रिपील एंड अमेंडमेंट बिल पास हुआ। इसके बाद कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में शुरुआत में 45 मिनट कार्यवाही चली। विदेश मंत्री एस जयशंकर जब बोल रहे थे तब विपक्ष नारेबाजी करता रहा। जवाब में भाजपा सांसदों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। जवाबी नारेबाजी में विपक्ष ने 'INDIA-INDIA' के नारे लगाने लगाए। शोर न रुकता देख सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को पहले 12 बजे तक, फिर 2 बजे तक स्थगित किया। तीसरी बार जब कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष सदन से वॉकआउट कर गया। इसके बाद सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 में संशोधन करने वाला बिल ध्वनि मत से पारित हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के निलंबित राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को सलाह दी कि वे रात भर धरने पर न बैठें। बजाय इसके वे हर दिन संसद की कार्यवाही समाप्त होने पर अपना प्रदर्शन भी खत्म कर दिया करें।

अविश्वास प्रस्ताव पर 'INDIA' में अनबन

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से ही विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य मणिपुर हिंसा को लेकर पीएम मोदी और केंद्र सरकार को लगातार घेर रहे हैं। इसके लिए पूरी रणनीति के साथ काम हो रहा है। इसमें विपक्ष के नेताओं के दफ्तरों में डेली बेसिस पर सुबह होने वाली बैठकों का शेड्यूल तय करना हो या फिर आप के निलंबित सांसद संजय सिंह के साथ एकजुट होकर बैठना भी शामिल है। लेकिन 26 जुलाई को विपक्ष की इस एकता में गतिरोध आ गया। दरअसल, लोकसभा में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने सुबह 9.20 बजे अविश्वास प्रस्ताव सौंप दिया, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य सुबह 10 बजे अपनी नियमित बैठक के लिए एकत्र हुए थे। विपक्ष के नेता ने कहा कि जो अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा था, उस पर साइन करने वाले 49 लोगों को भी बीजेपी सरकार को स्पष्ट और जोरदार संदेश देने के लिए एकजुट होकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था, हमें मैसेज देना था कि हम सब एकसाथ हैं, लेकिन कांग्रेस अकेले चली गई। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इसके लिए माफी मांगी और आश्वासन दिया कि इस मुद्र्दे पर ध्यान दिया जाएगा। इसे दोबारा नहीं दोहराया जाएगा।

कार्बन मोनोऑक्साइड से तीन अमेरिकी नौसैनिकों की मौत

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में उत्तरी कैरोलिना में रविवार को एक कार में मृत मिले तीन नौसैनिकों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई। पेंडर काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी। उत्तरी कैरोलिना मेडिकल परीक्षक कार्यालय द्वारा तीन नौसैनिकों के शवों का पोस्टमार्टम किया गया। पेंडर काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि तीनों मौतें कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता के कारण हुई हैं। तीनों नौसैनिकों की पहचान टान्नर जे.(19) मेराक्स सी. डॉकरी(23) और इवान आर. गार्सिया (23) के रूप में की गई। पेंडर काउंटी शेरिफ एलन डब्ल्यू कटलर ने हादसे पर दु:ख जताया है।

दिल्ली में बिल्डर की पत्नी की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई और आरोपी ने खुद भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। आरोपी और महिला एक दूसरे को पहले से जानते थे। महिला के तीन बच्चे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के डाबरी पुलिस थाना पुलिस को जानकारी मिली थी कि महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा था कि 42 साल की रेनू गोयल की कनपटी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड को रेनू के घर के पास ही अंजाम दिया गया था। चश्मदीदों ने पुलिस को बताया था कि हमलावर पैदल आया था और गोलीकांड को अंजाम देने के बाद मौके से भाग निकला था। पुलिस ने रेनू के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भिजवाया था और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली थी।

आज का इतिहास

- 1741: कैप्टन बेरिंग ने माउंट सैंट एलियास, अलास्का की खोज की।
- 1742: प्रशिया और ऑस्ट्रिया ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1821: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1858: भारतीय प्रशासनिक सेवा के सर विलियम जेम्स हर्शेल द्वारा पहचान के लिए पहली बार फिंगर प्रिंट का इस्तेमाल
- 1866: अमेरिका में मापने की मीट्रिक प्रणाली को वैधानिक मान्यता मिली।
- 1868: अमेरिकी विदेश मंत्री विलियम एच सिवार्ड ने पूर्व दासों को नागरिकता देने के लिए संविधान में 14वें संशोधन को मंजूर करने की घोषणा की।
- 1914: आज ही के दिन प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत ।
- 1928: नीदरलैंड के एम्सटर्डम में नौवें ओलंपिक खेल का शुभारंभ।
- 1928: ग्रेट ब्रिटेन में डाक कोड का प्रयोग शुरु ।

राहुल ने केरल में श्री विश्वंबर मंदिर के किए दर्शन

मलाप्पुरम, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल के कोट्टक्कल में आर्य वैद्य शाला (एवीएस) परिसर में स्थित श्री विश्वंबर मंदिर के दर्शन किए। श्री गांधी यहां स्वास्थ्य उपचार करा रहे हैं। यह मंदिर आर्य वैद्य शाला (एवीएस) में स्थित है।

श्री गांधी को 21 जुलाई से कष्टदायक दर्द सहित प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाने तथा परेशानी से निजात दिलाने के लिए उन्हें दो सप्ताह के लिए एवीएस में भर्ती किया गया था। उन्होंने आखिरी दिन वैद्यरत्नम पीएस वारियर द्वारा स्थापित एवीएस के सांस्कृतिक केंद्र पीएसवी नाट्यसंघम द्वारा प्रदर्शित 90 मिनट की कथकली कला शैली दक्षयागम देखने में बिताए। एमटी वासुदेवन नायर, केसी वेणुगोपाल, श्रेयम्स कुमार को भी मलयालम माह कार्किडक्कम चिकित्सा (उपचार) के दौरान एवीएस में भर्ती कराया गया है, जहां श्री गांधी को कोट्टक्कल एवीएस में भर्ती कराया गया है। कांग्रेस नेता ने अपने फेसबुक पर लिखा कि पीवीएस द्वारा कथकली की मनमोहक प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया।

भाजपा-आरएसएस को देश से नहीं सिर्फ सत्ता से है प्रेम: राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर गुरुवार को फिर तीखा हमला किया और कहा कि मणिपुर जले, देश टूटे, हिंसा फैले, इन सबसे उनका मतलब नहीं है क्योंकि उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए और इसके लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। श्री गांधी ने गुरुवार को युवा कांग्रेस के बेहतर भारत की बुनियाद पर सबका हक और सबकी जिम्मेदारी 'विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को वर्चुअल आधार पर संबोधित करते हुए कहा कि देश भाजपा, आरएसएस और कांग्रेस की विचारधारा में बंट गया है। कांग्रेस ने हमेशा संविधान की रक्षा और भाईचारे को बढ़ावा देने की लड़ाई लड़ी जबकि भाजपा-आरएसएस ने सत्ता के लिए देश को बांटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस सिर्फ सत्ता चाहते हैं और सत्ता पाने के लिए ये कुछ भी कर सकते हैं। सत्ता के लिए ये मणिपुर को जला देंगे, सारे देश को जला देंगे। इन्हें देश के दुख-दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस की विचारधारा- संविधान की रक्षा, देश को जोड़ने और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने की है वहीं भाजपा-आरएसएस चाहते हैं कि कुछ चुनिंदा लोग देश चलाएं और सारा धन उन्हीं के हाथ में हो। आपके दिल में देशप्रेम है। जब देश को चोट लगती है, देश के किसी नागरिक को चोट लगती है तो आपके दिल को भी चोट लगती है। आप उदास हो जाते हैं। मगर भाजपा-आरएसएस के लोगों को कोई दु:ख नहीं, कोई दर्द नहीं हो रहा, क्योंकि ये हिंदुस्तान को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मणिपुर के लिए क्या कर रहे हैं। वे मणिपुर के बारे में कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है।

श्रीनगर में 34 साल बाद 8वें दिन मुहर्रम का जुलूस

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 34 साल बाद गुरु बाजार से शिया समुदाय के लोगों ने आठवें दिन का मुहर्रम जुलूस डलगेट मार्ग तक निकाला और यह गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। शिया समुदाय के सैकड़ों लोग गुरु बाजार से शुरू हुए जुलूस में शामिल हुए।

गोवा की 12 साल की लड़की का नया विश्व रिकॉर्ड 62 घंटे में लद्दाख की तीन चोटियों पर की चढ़ाई

पणजी,(एजेंसी)। गोवा के 12 वर्षीय पर्वतारोही गुंजन पंकज प्रभु नार्वेकर ने लद्दाख क्षेत्र की मरखा घाटी में 6000 मीटर से ऊपर की तीन चोटियों पर केवल 62.5 घंटों में सफलतापूर्वक चढ़ाई कर एक नया वैश्विक रिकॉर्ड बनाया है।

इस सराहनीय उपलब्धि को हासिल करने के बाद गुंजन का लक्ष्य अब माउंट एवरेस्ट है। गोवा की गुंजन पंकज प्रभु नार्वेकर यहां की ज्ञान विकास स्कूल की 8वीं कक्षा की छात्रा हैं। पणजी (गोवा), एएनआई। गोवा के 12 वर्षीय पर्वतारोही गुंजन पंकज प्रभु नार्वेकर ने लद्दाख क्षेत्र की मरखा घाटी में 6000 मीटर से ऊपर की तीन चोटियों पर केवल 62.5 घंटों में सफलतापूर्वक चढ़ाई कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने लद्दाख क्षेत्र की तीन चोटियों - माउंट कांग यात्से-2 (6250 मीटर), माउंट रेपोनी मल्लारी-1 (6097 मीटर) और माउंट रेपोनी मल्लारी-2 (6113 मीटर) पर्वत श्रृंखलाओं पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। 12 वर्षीय पर्वतारोही ने 49 घंटे में (पहली से तीसरी शिखर) और 62.5 घंटे (बेसकैंप से बेसकैंप) में 6000 मीटर से अधिक तीन चोटियों पर चढ़ाई की।

मंगोलिया में सड़क हादसे में पांच लोगों की जान गई

उलानबटोर, (एजेंसी)। मंगोलिया के दक्षिणी प्रांत उमनुगोवी में एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यातायात पुलिस विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस विभाग ने कहा कि दुर्घटना उस समय हुई जब प्रांत के खानखोनगोर सौम (प्रशासनिक उपखंड) के क्षेत्र में एक कार सड़क पर एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार में सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने ड्राइवरों से अपने और दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया है।

ज्ञानवापी सर्वे पर फिलहाल रोक हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

प्रयागराज, (ब्यूरो)। ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब कोर्ट 3 अगस्त को इस पर फैसला सुनाएगी। मसाजिद इंतजामिया कमेटी ने हाईकोर्ट में सर्वे पर रोक लगाने की याचिका दायर की थी। सरकार की तरफ से कोर्ट को जानकारी दी गई कि मंदिर सीआईएसएफ की सुरक्षा में है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष से सवाल पूछा कि वाद तय करने में देरी क्यों हो रही है। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट कार्यवाही की जानकारी दी। मुस्लिम पक्ष के वकील एसएफए नकवी ने कोर्ट से कहा- 1947 से भवन की यही स्थिति है, जिसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की धारा 3 कहती है कि कोई व्यक्ति पूजा स्थल की प्रकृति में बदलाव नहीं कर सकेगा। इससे पहले बुधवार को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना था।

'प्रदेशवासियों के सुख-दुख में भागीदार राज्य सरकार'

सीएम गहलोत ने 36.76 लाख सिलेंडर सब्सिडी योजना लाभार्थियों के खातों में डाले 155.92 करोड़

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आमजन के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन सरकारों की जिम्मेदारी और जनता का अधिकार है। राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों के सुख-दुख में भागीदार बनकर विगत साढ़े चार वर्ष में जो कार्य किए वो अभूतपूर्व हैं तथा इनकी घर-घर में चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई से प्रदेश की जनता को राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा महंगाई राहत कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें 500 रुपए में गैस सिलेंडर के साथ ही महंगाई से राहत देने वाली 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। श्री गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय लाभार्थी संवाद में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर एक साथ 36.76 लाख लाभार्थियों के खातों में 155.92 करोड़ रुपए के लाभ का हस्तातंरण किया। इसमें अप्रेल माह के डीबीटी के लाभ से शेष रहे 1.72 लाख उपभोक्ताओं को 7.32 करोड़ रुपए के साथ ही मई माह के 16 लाख 71 हजार उपभोक्ताओं को 70 करोड़ 86 लाख रूपए एवं जून माह के 18 लाख 33 हजार उपभोक्ताओं को 77 करोड़ 73 लाख रूपए हस्तांतरित किए गए। इस प्रकार कुल 36 लाख 76 हजार उपभोक्ताओं को 155 करोड़ 92 लाख रूपए ट्रांसफर किए। इंदिरा गांधी गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना के पंजीकृत उपभोक्ताओं को लाभ हस्तांतरण का यह दूसरा चरण है। इससे पूर्व 5 जून को मुख्यमंत्री ने लगभग 14 लाख पंजीकृत उपभोक्ताओं के खातों में करीब 60 करोड़ रूपए की राशि हस्तांतरित की गई थी।

जो वादा किया वो निभाया

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ किए गए हर वादे को पूरा कर रही है। प्रदेशभर में महंगाई राहत कैम्प के माध्यम से 10 योजनाओं के लाभ की गारन्टी दी जा रही है, जिनमें से 8 योजनाएं धरातल पर उतर चुकी है। इंदिरा गांधी गैस सिलेन्डर सब्सिडी योजना के अन्तर्गत 500 रूपए में गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना के अन्तर्गत कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट प्रतिमाह फ्री बिजली, महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 25 दिन अधिक रोजगार तथा कथौड़ी, सहरिया व विशेष योग्यजन को 100 दिवस का रोजगार आदि के बारे में पूरा विस्तार से लाभ दिया। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत 125 दिन का रोजगार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में न्यूनतम 1000 पेंशन प्रतिमाह, सीएम चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा तथा सीएम चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 10 लाख दुर्घटना बीमा कवर दिया जा रहा है।

Filmiतड़का

पूजा से खफा हैं पापा, बेटी पर सवाल किया इग्नोर, बोले - मैं आलिया का फैन हूं

मुंबई। हाल ही में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह स्टारर फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की स्क्रीनिंग हुई। फिल्म की स्क्रीनिंग पर बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे पहुंचे। इस दौरान फिल्ममेकर महेश भट्ट को भी स्पॉट किया गया। इवेंट में उनसे पूजा भट्ट को लेकर सवाल किया गया, जिसे वो इग्नोर करते दिखे। एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर पूजा भट्ट इन दिनों बिग बॉस ओटीटी 2 में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ रही हैं। पूजा ने शुरू से ही अपना गेम काफी स्ट्रांग रखा है वो शो की मजबूत कंस्टेंट में से एक हैं। हाल ही में महेश भट्ट से उनकी बेटी के गेम पर सवाल किया गया, पर उन्होंने जिस तरह रिप्लाई दिया उसे देख कर यही लगा कि दोनों के बीच ऑल इज वेल नहीं है। फिल्ममेकर महेश भट्ट इवेंट में वो अपनी वाइफ सोनी राजदान के साथ पहुंचे थे। यहां महेश भट्ट से पूजा भट्ट से जुड़ा सवाल किया। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक- पैपराजी ने उनसे कहा- पूजा अच्छा खेल रही हैं। इस पर उन्होंने सरप्राइज होते हुए कहा कौन? तो पैपराजी कहते हैं पूजा भट्ट. इसके बाद उन्होंने सभी के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि फिलहाल मैं आलिया भट्ट का फैन हूं। इसके बाद उनसे पूछा गया कि आपको रॉकी और रानी की प्रेम कहानी कैसी लगी, तो इस पर उन्होंने कहा कि बहुत कमाल की फिल्म है। उन्होंने मीडिया के सवालों को इग्नोर कर खुद को आलिया का फैन बताया।

वेलकम-3 में संजय-अरशद बनेंगे उदय और मंजनू

वेलकम 3 यानि कि वेलकम का तीसरा पार्ट बनने वाला है ये तो पहले ही कंफर्म हो चुकी है। इस बात की भी पुष्टि हो चुकी है कि तीसरे पार्ट में अरशद वारसी और संजय दत्त की एंट्री होने वाली। लेकिन, अब संजय दत्त और अरशद वारसी के रोल का खुलासा हुआ है। कहा जा रहा है कि मुन्ना भाई और सर्किट की ही तरह वेलकम 3 में भी संजय दत्त और अरशद वारसी आइकॉनिक कॉमेडी रोल प्ले करने वाले हैं। मेकर्स अपनी फिल्म के जरिए एक बार फिर मुन्ना भाई और सर्किट जैसा जादू सिनेमाघरों में बिखने की कोशिश करने वाले हैं। आइए इस बारे में और जानकारी हासिल करते हैं। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार स्क्रिप्ट कुछ समय पहले ही बनकर तैयार हुई है। फिल्म निर्माता तीसरे पार्ट में संजय दत्त और अरशद वारसी को कुख्यात गैंगस्टर - मंजनू और उदय की भूमिका देने वाले हैं। वे कहानी में एक नया मोड़ लाने की योजना बना रहे हैं।

बड़ा उलटफेर: नाइजीरिया ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर मचाई सनसनी

फीफा महिला विश्व कप-2023 : अमेरिका ने ग्रुप-ई में नीदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रा खेला

ब्रिसबेन, एजेंसी। नाइजीरिया ने सनकोर्प स्टेडियम में मौजूद हज़ारों ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के सामने गुरुवार को फीफा महिला विश्व कप 2023 में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर सनसनी मचा दी। इस रोमांचकारी ग्रुप-बी मैच में एमिली वैन एगमंड (45+1वां मिनट) और अलाना केनेडी (90+10वां मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया के गोल किए, जबकि उचेना कानू (45+5वां मिनट), ओसिनाची ओहाले (65वां मिनट) और असिसत ओसहोआला (72वां मिनट) ने एक-एक गोल दागकर नाइजीरिया को यह ऐतिहासिक जीत दिलाई।

विश्व रैंकिंग में 40वें नंबर की टीम नाइजीरिया ने अपने पहले मुकाबले में विश्व नंबर सात कनाडा को गोलरहित ड्रॉ पर रोका था। विश्व नंबर 10 ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध भी नाइजीरियाई महिलाओं ने मज़बूत शुरुआत की और मेज़बान टीम को खाता खोलने के लिए संघर्ष करना पड़ा। एमिली ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में एक गोल कर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई, हालांकि उचेना ने कुछ मिनटों में ही नाइजीरिया का खाता खोलकर स्कोर बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में गेंद भले ही ऑस्ट्रेलिया के पास अधिक रही, लेकिन नाइजीरिया ने 65वें मिनट में ओसिनाची के गोल के दम पर बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया की वापसी की उम्मीदों को करारा झटका तब लगा जब असिसत ने 72वें मिनट में नाइजीरिया का तीसरा गोल जमा दिया। अलाना ने मैच के अंतिम क्षणों में ऑस्ट्रेलिया का दूसरा गोल किया, हालांकि यह मेज़बान टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी था।

हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का बिगड़ा गणित

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रहे ऑस्ट्रेलिया को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए सोमवार को अपने से बेहतर रैंकिंग वाले कनाडा को हराना होगा। नाइजीरियाई महिलाएं सुपर-16 की दौड़ से बाहर हो चुके आयरलैंड से भिड़ेंगी।

पुर्तगाल ने वियतनाम को 2-0 से दी मात

दिन के अन्य मुकाबलों में, अमेरिका ने ग्रुप-ई में नीदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रा खेला। अमेरिका का गोल लिंडसे होरन (62वां मिनट) ने किया, जबकि जिल रूर्ड (17वां मिनट) ने डच टीम का गोल दागा। पुर्तगाल ने टेल्मा एनकार्नाचाओ (सातवां मिनट) और फ्रांसिस्का नजारेथ (21वां मिनट) के गोलों की मदद से ग्रुप-ई में वियतनाम को 2-0 से मात दी।

प्रमोद और सुकांत ने एशियाई पैरा खेलों के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई पैरा खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भगत ने एकल, युगल और मिश्रित युगल में अपना स्थान पक्का किया, जबकि सुकांत ने एकल और युगल में जगह बनाई। पैरा एशियाई खेलों के लिए ट्रायल 24 से 26 जुलाई के बीच ग्रेटर नोएडा में आयोजित किए गए थे। एकल एसएल3 वर्ग में प्रमोद ने अपने पांच में से चार मैच जीतकर अपना वर्चस्व कायम किया। युगल प्रतियोगिता में प्रमोद और उनके साथी सुकांत ने अपने चार मैचों में से तीन जीतकर एशियाड के लिए क्वालीफाई किया। मिश्रित युगल में प्रमोद और मनीषा रामदास ने छह में से पांच मैच जीतकर हांग्झोउ के लिए टिकट कटाया। सुकांत ने अपने पांच में से तीन मैच जीतकर एकल एसएल4 वर्ग में अपना स्थान पक्का कर लिया।

टीम इंडिया की वेस्टइंडीज पर धमाकेदार जीत

- जडेजा और कुलदीप के बाद ईशान ने दिखाया दम
- पहले वनडे में कैरेबियाई टीम को 5 विकेट से पीटा

ब्रिजटाउन, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हरा दिया। गुरुवार को ब्रिजटाउन के केनसिंग्टन ओवल में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारत को जीत के लिए सिर्फ 115 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने 163 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने वनडे सीरीज में 1-0 की लीड ले ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मुकाबला शनिवार 29 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

भारत की ओर से रनचेज में ओपनर ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 रन बनाए। ईशान ने इस दौरान 46 गेंदों का सामना किया और सात चौके के अलावा एक सिक्स लगाया। सूर्यकुमार यादव ने भी 19 रनों की उपयोगी पारी खेली। शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या और शार्दुल ठाकुर कुछ खास नहीं कर पाए। सातवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे रोहित शर्मा (12*) और रवींद्र जडेजा (16*) ने भारत को जीत तक पहुंचाया। विंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने सबसे ज्यादा दो विकेट चटकाए, वहीं यानिक कारिया और जेडन सील्स ने एक-एक विकेट लिया।

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज	रन	गेंद	4/6
ब्रैंडन किंग बो.शार्दुल	17	23	3/0
मेयर्स कै.रोहित बो.हार्दिक	2	9	0/0
ऐथनेज कै.जडेजा बो.मुकेश	22	18	3/1
होप पगबाधा बो.कुलदीप	43	45	4/1
हेटमायर बो.जडेजा	11	19	1/0
पॉवेल कै.गिल बो.जडेजा	4	4	1/0
शेफर्ड कै.कोहली बो.जडेजा	0	2	0/0
ड्रेक्स पगबाधा बो.कुलदीप	3	5	0/0
करिया पगबाधा बो.कुलदीप	3	9	0/0
मोती नाबाद	0	3	0/0
सील्स कै.हार्दिक बो.कुलदीप	0	3	0/0

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 23 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-7, 2-45, 3-45, 4-88, 5-96, 6-96, 7-99, 8-107, 9-114, 10-114, **गेंदबाज़ी:** हार्दिक पंड्या 3-0-17-1, मुकेश कुमार 5-1-22-1, शार्दुल ठाकुर 3-1-14-1, रवींद्र जडेजा 6-0-37-3, उमरान मलिक 3-0-17-0, कुलदीप यादव 3-2-6-4.

भारत	रन	गेंद	4/6
इशान किशन कै.पॉवेल बो.मोती	52	46	7/1
शुभमन गिल कै.किंग बो.सील्स	7	16	1/0
सूर्यकुमार यादव पगबाधा बो.मोती	19	25	3/1
हार्दिक पंड्या रन आउट	5	7	0/0
रवींद्र जडेजा नाबाद	16	21	1/0
शार्दुल कै.ऐथनेज़ बो.करिया	1	4	0/0
रोहित शर्मा नाबाद	12	19	2/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 22.5 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन, **विकेट पतन:** 1-18, 2-54, 3-70, 4-94, 5-97, **गेंदबाज़ी:** डॉमिनिक ड्रेक्स 4-0-19-0, जेडेन सील्स 4-0-21-1, काइल मेयर्स 1-0-6-0, रोमारियो शेफ़र्ड 1-0-2-0, गुडाकेश मोती 6.5-0-26-2, यानिक करिया 5-0-35-1, ऐलेक ऐथनेज़ 1-0-7-0.

26 रनों पर खोए विंडीज ने आखिरी सात विकेट

वेस्टइंडीज की पूरी टीम सिर्फ23 ओवरों में ही 114 रनों पर सिमट गई थी। यह भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का वनडे इंटरनेशनल में दूसरा सबसे कम स्कोर रहा औ केवल चार बल्लेबाज शाई होप (43), ब्रैंडन किंग (17), शिमरॉन हेटमायर (11) और एलिक अथानाज (22) ही दोहरे अंकों में पहुंच पाए। भारत की ओर से चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप ने सिर्फछह रन देकर चार, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर जडेजा ने 37 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं शार्दुल ठाकुर, हार्दिक पंड्या और मुकेश कुमार को एक-एक विकेट मिला। वेस्टइंडीज ने अपने आखिरी सात विकेट 26 रन पर खो दिए।

वनडे में विंडीज का सबसे कम स्कोर (भारत के खिलाफ)

रन	स्थान	वर्ष
104	तिरुवनंतपुरम	2008
114	ब्रिजटाउन	2023*
121	पोर्ट ऑफ स्पेन	1997
123	कोलकाता	1993
126	पर्थ	1991

मुकेश कुमार ने टेस्ट के बाद वनडे में किया डेब्यू

भारत और विंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने इस एक हफ्ते में दूसरी बार धमाका किया है। दरअसल, यह मुकेश का डेब्यू वनडे मुकाबला है। इससे पहले उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का दूसरा यानी आखिरी टेस्ट मैच 20 जुलाई से खेला था।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच आगामी मैच

दूसरा वनडेः 29 जुलाई
बारबडोस - शाम 7 बजे

तीसरा वनडे : 1 अगस्त
त्रिनिदाद - शाम 7 बजे

17 सालों से भारत से वनडे सीरीज नहीं जीता इंडीज

वेस्टइंडीज का वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ 17 सालों से खराब प्रदर्शन चल रहा है। इस दौरान वेस्टइंडीज कोई भी द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं जीत सकी है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज 9 मार्च 1983 को खेली गई थी, तब वेस्टइंडीज ने अपने घर में भारतीय टीम को 2-1 से करारी शिकस्त दी थी। उसके बाद से 1989 तक कैरेबियन टीम ने ही लगातार 5 सीरीज जीतीं। इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 1994 में पहली वनडे सीरीज जीती थी। भारत ने अपने घर में विंडीज को 4-1 से हराया था। इसके बाद हार और जीत का सिलसिला चलता रहा, मगर वेस्टइंडीज ने आखिरी बार टीम इंडिया को मई 2006 में हराया था। उसके बाद से लगातार भारतीय टीम ने 12 वनडे सीरीज में विंडीज को शिकस्त दी है। किसी एक टीम को लगातार सबसे ज्यादा सीरीज में हराने का यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है।

मोहम्मद सिराज को मिला वनडे सीरीज से आराम, स्वदेश लौटे

मुंबई, एजेंसी। तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज को टखने में दर्द की शिकायत के बाद वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि सिराज ने टखने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद बोर्ड की मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी है। सिराज की जगह टीम में किसी नए गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है। कैरिबियाई टीम के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत की 1-0 की जीत के बाद सिराज टेस्ट टीम के अन्य सदस्य रविचंद्रन अश्विन, अजिंक्य रहाणे, श्रीकर भरत और नवदीप सैनी के साथ स्वदेश लौट आए। बीसीसीआई ने अनुभवी तेज़ गेंदबाज मोहम्मद शमी को पहले ही विंडीज दौरे से आराम दे दिया था।

पाक ने श्रीलंका को पारी और 222 रन से रौंदा

दूसरा टेस्टः नोमान अली (70/7) की तिलस्मी गेंदबाजी
दो मैचों की सीरीज में श्रीलंका का 2-0 से किया सफाया

कोलंबो, एजेंसी। अब्दुल्लाह शफीक (201) के दोहरे शतक और नोमान अली (70/7) की तिलस्मी गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने गुरुवार को दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को पारी और 222 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली।

श्रीलंका को पहली पारी में 166 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 576/5 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर 410 रन की विशाल बढ़त बनाई। नोमान की अबूझ स्पिन के आगे श्रीलंकाई टीम चौथे दिन दूसरी पारी में 188 रन पर ऑलआउट हो गई। एंजलो मैथ्यूज़ 127 गेंद पर सात चौकों और दो छक्कों की सहायता से 63 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिल सका। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत में मोहम्मद रिज़वान (50 नाबाद) का अर्धशतक पूरा होते ही पारी घोषित कर दी।

किदांबी को हराकर एचएस प्रणय क्वार्टर फाइनल में

जापान ओपन : लक्ष्य सेन ने जापान के कांता को दी शिकस्त

टोक्यो, एजेंसी। भारत के अग्रणी बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय गुरुवार को अपने हमवतन किदांबी श्रीकांत को हराकर जापान ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने भी दूसरे चरण में जीत दर्ज की। प्रणय ने पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए किदांबी को 57 मिनट में 19-21, 21-9, 21-9 से मात दी। हाल ही में कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क के लासे मोल्हेड और जेप्पे बे को 21-17, 21-11 से हराया।

महिला हॉकी: भारत ने स्पेन से खेला रोमांचक ड्रा

बार्सिलोना, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्पैनिश हॉकी फेडरेशन 100वीं वर्षगांठ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गुरुवार को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन को 2-2 के ड्रा पर रोक लिया। स्पेन ने जैन्टल गाइन (13वां मिनट) और लाइया विदोसा (26वां मिनट) के गोलों से आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन नवनीत कौर (14वां, 29वां मिनट) ने दो गोल जमाकर भारत की हार को टाल दिया। पिछले मैच में इंग्लैंड से ड्रा खेलने के बाद भारतीय टीम के सामने मेजबान टीम की चुनौती थी। स्पेन ने पहले क्वार्टर में घरेलू परिस्थितियों का इस्तेमाल मुकाबले पर अपनी पकड़ मज़बूत करने के लिए किया, हालांकि उसे नवनीत की अगुवाई में भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति के हमलों से भी चौकन्ना रहना पड़ा।

पुरुष हॉकी: भारत बनाम नीदरलैंड मुकाबला ड्रा

बार्सिलोना, एजेंसी। भारत सहित चार देशों के टोरनेओ डेल सेंटेनारियो 2023 टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष हॉकी टीम बनाम नीदरलैंड का मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। यह मैच स्पेन के टेरासा में खेला गया। भारतीय हॉकी टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 का खिताब जीतने वाले नीदरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां चल रहे 100वीं वर्षगांठ स्पेनिश हॉकी फेडरेशन - अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में एक कड़ा मुकाबला बराबरी पर खत्म हुआ। पहले क्वार्टर में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को 12वें मिनट में गोल में तब्दील कर टीम का खाता खोला। नीदरलैंड के ब्रिंकमैन जैस्पर ने 40वें मिनट में गोल कर हिसाब बराबर कर दिया।

एआई में बनाना है करियर तो ये रहे पांच टॉप ऑप्शन

कुछ समय पहले तक एआई के बारे में लोगों को खास जानकारी भी नहीं थी। अब एक ऐसा वक्त आ गया है जब बिना एआई के कोई काम ही नहीं होता, फिर चाहे वो पढ़ाई हो या नौकरी। समय के साथ इसकी डिमांड बढ़ रही है। इसे देखते हुए आज बहुत से छात्र एआई को करियर ऑप्शन के तौर पर चुन रहे हैं। मशीन लर्निंग जैसे कॉन्सेप्ट हैं तो बहुत पुराने लेकिन इनमें एआई के आ जाने से बहुत बदलाव हुए हैं और ये लोगों की टॉप करियर च्वॉइस बन गया है।

करियर च्वॉइस

इनमें जाने के लिए आपको विषय विशेष में स्पेशियलाइजेशन करना होगा। आप अपनी रुचि और जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं। हालांकि एक बात तो पक्की है कि फील्ड कोई भी हो इसमें ग्रोथ होना तय है।

मशीन लर्निंग इंजीनियर

ये सैल्फ लर्निंग सॉफ्टवेयर बनाने और डिजाइन करने के एक्सपर्ट होते हैं। इस फील्ड के उभरते हुए एप्लीकेशंस को समझना हो तो चैटबोट, वर्चुअल असिस्टेंट, ड्राइवरलेस कार, ट्रैफिक प्रिडिक्शन आदि को समझा जा सकता है। समय के साथ इसका इस्तेमाल बहुत बढ़ा है। इस फील्ड में जाने के लिए आपका बैकग्राउंड कंप्यूटर साइंस, डेटा प्रोग्रामिंग और मैथ्स में होना चाहिए। शुरुआती लेवल पर साल के 4 से 5 लाख रुपये तक कमाए जा सकते हैं।

डाटा साइंटिस्ट

इनका काम मुख्य तौर पर बड़े लेवल का डाटा इकट्ठा करना होता है और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इन्हीं के हाथ आती है। रॉ डाटा को तमाम तरह से इस्तेमाल करने में मदद करते हैं और कांपटीशन के इस युग में कंपनी को ग्रो करने में मदद करते हैं। फूड डिलीवरी एप्लीकेशन इन्हीं का एक उदाहरण है। आपकी पिछली हिस्ट्री से ये आगे के सजेशन दे देते हैं। डाटा साइंस, कंप्यूटर साइंस या संबंधित फील्ड में बैचलर और मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

रोबोटिक्स इंजीनियर

जैसा कि नाम से ही साफ हो रहा है ये ऐसे रोबोट बनाते हैं जो तमाम तरह के काम कर सकें। इनके प्रयोग के समय इंसानों की जरूरत न पड़े और ये केवल कमांड पर काम करें, ऐसा इन्हें बनाया जाता है। ये कामों को आसान भी बनाते हैं। ड्रोन एक ऐसा ही उदाहरण है। इसके लिए कंप्यूटर इंजीनियरिंग या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री होनी चाहिए।

एआई रिसर्च साइंटिस्ट

इनका काम मुख्य तौर पर यह होता है कि एक मशीन कैसे आपके काम को आसानी से और बेहतर तरीके से पूरा करे। ये एलगॉरिथ्म भी बनाते हैं जो डाटा एनालाइज करने और पैटर्न समझने में मदद करता है। ये हैल्थकेयर, फाइनेंस, मार्केटिंग, इंश्योरेंस और रिटेल जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं।

एआई इंजीनियर

इन्हें प्रॉब्लम सॉल्वर कहा जाए तो गलत नहीं होगा। ये आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अलग-अलग मॉडलों को टेस्ट करते हैं और उनके काम को प्रभावी बनाते हैं। ये मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करते हैं और काम के एआई मॉडल बनाते हैं। इनकी बहुत डिमांड रहते हैं और एक अच्छे एआई इंजीनियर को एंट्री लेवल पर साल के 6 लाख रुपये तक आसानी से मिल जाते हैं।

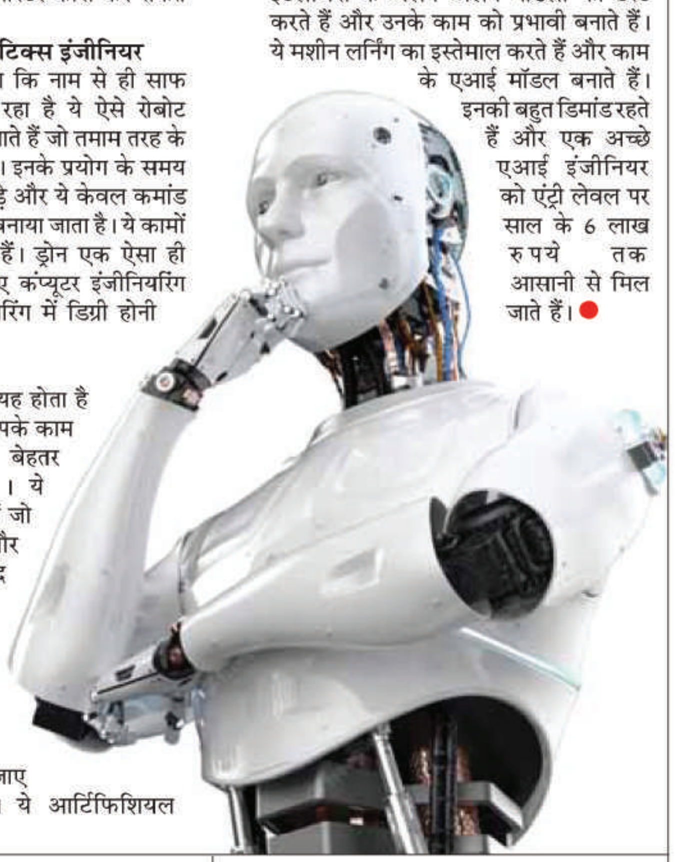

एग्रीकल्चर में भी बना सकते हैं बेहतर भविष्य

भारत एक कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भी युवा इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने से बचते हैं, क्योंकि युवाओं की यही सोच है कि इस सेक्टर में तरक्की और पैसा नहीं हैं। हालांकि, यह बिल्कुल भी सही नहीं है। अगर आप इस क्षेत्र में एक लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित ही आप मोटी कमाई करके बेहतरीन लाइफ जी सकते हैं। अब तो केंद्र और राज्य सरकारें भी लगातार में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दे रही हैं, जिसके चलते लोग अब जॉब छोड़कर इस क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। अगर आप भी 12वीं के बाद करियर को लेकर उलझन में हैं तो हम यहां कृषि क्षेत्र से जुड़े बेहतरीन कोर्सेज, नौकरी, सैलरी आदि तमाम जरूरी जानकारियां दी जा रही हैं...।

कृषि क्षेत्र से जुड़े कोर्सेज

एग्रीकल्चर क्षेत्र क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवा 12वीं के बाद ही इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन, पोस्ट-ग्रेजुएशन, पीएचडी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सेज उपलब्ध हैं। ग्रेजुएशन के बाद आप सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में बेहतरीन पदों पर जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर इस क्षेत्र में कुछ बेहतर करना चाहते हैं तो हायर एजुकेशन के लिए मास्टर्स और पीएचडी करके भविष्य संवार सकते हैं।

बेहतरीन और बड़े पदों पर मिलेगी नौकरी

कृषि के क्षेत्र में ग्रेजुएशन के बाद ही रोजगार के ढ़ेरों विकल्प मौजूद होते हैं। ग्रेजुएशन के बाद आप विभिन्न सरकारी विभागों में निकलने वाली वैकेंसी के लिए अप्लाई कर सकते हैं वहीं, कृषि से जुड़ी हुई निजी कंपनियां भी अच्छे पैकेज पर जॉब ऑफर करती हैं। इसके अलावा हायर एजुकेशन लेने के बाद एजुकेशन के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। लेक्चरर बनकर आप भविष्य बना सकते हैं। वहीं, आप इस क्षेत्र में रिसर्च करके कृषि वैज्ञानिक बनकर देश की तरक्की में अपना अहम योगदान दे सकते हैं। इस क्षेत्र में आप आसानी से मोटी कमाई कर सकते हैं।

अनुशासन ही एक सफल व्यक्ति की होती है पहचान

अनुशासन की डोर के सहारे सफलता की सीढ़ियों को आसानी से चढ़ा जा सकता है। जीवन में अनुशासन आवश्यक है। अनुशासन का अर्थ नियम व कायदे के अधीन कार्य करना है। स्वअनुशासन में हम स्वयं के लिए अनुशासन बनाते हैं। फिर इसी अनुशासन के साथ दैनिक चर्या का निर्वहन करते हैं। अनुशासित व्यक्ति का जीवन उदाहरण बन जाता है। वह शारीरिक एवं मानसिक दोनों रूप से सबल होता है। अनुशासन ही सफलता की धुरी है। यही वह नींव की ईंट है जिस पर सफलता का विशाल भवन खड़ा किया जा सकता है। प्रकृति अनुशासन की सबसे बड़ी शिक्षक है। यह हमें प्रतिपल सीख देती है। ऊंचे पहाड़, बहती नदियां, जल प्रपात, पवन और हिमखंड सभी हमें अनुशासन का पाठ पढ़ाते हैं। ये अनुशासन में बंधे रहते हैं। कल्पना कीजिए कि यदि प्रकृति अनुशासन तोड़ दे तो क्या होगा। नदियां जब अनुशासन की सीमा लांघती हैं तो बाढ़ आ जाती है, हवा अनुशासन को तोड़ती है तो तूफान आ जाता है, पहाड़ अनुशासन तोड़ते हैं तो भूस्खलन होने लगता है। अर्थात जब अनुशासन टूटता है तो अनिष्ट की आशंका बनी रहती है।

हमारे पूर्वजों में गजब का अनुशासन था। ऋषि-मुनि सैकड़ों वर्षों तक जो कठिन तपस्या करते थे वह अनुशासन से ही संभव हो पाता होगा। वर्तमान में अनुशासन का एक बड़ा उदाहरण हमारी सेना है, जो अनुशासन में ऐसे गुंथी हुई है कि हमें प्रेरणा से भर देती है। सेना की पूरी दिनचर्या, सैनिकों का व्यवहार अनुशासन की अभिव्यक्ति हैं। हमें अपने जीवन में प्रखरता लाने के लिए, इसे सफलता के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाने के लिए अनुशासनबद्ध परिश्रम करना चाहिए। अनुशासन के बल पर लोकजीवन में अद्भुत एवं अभिनव परिवर्तन किए जा सकते हैं। हमें अनुशासित राष्ट्र के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। अनुशासित नागरिक ही अनुशासित राष्ट्र बना सकता है। ऐसा ही राष्ट्र विकास के पथ पर बढ़कर समृद्धि का सिरमौर बन सकता है।

कॉमर्स के छात्र इस फील्ड में बनाएं करियर

आजकल स्टूडेंट्स के पास इतने ऑप्शन होते हैं कि वे इस बाद को लेकर माथापच्ची करते हैं कि उन्हें ग्रेजुएशन किस सब्जेक्ट से करना है। ऐसे में कई बार बच्चे सही गाइडेंस न मिलने के कारण गलत विकल्प का चयन कर लेते है, जो आगे चलकर उनका करियर तबाह भी कर सकता है। बाद में पछताने के सिवाय कुछ हाथ नहीं लगता। इसके लिए जरूरी है कि एक ऐसी फील्ड चुने, जिसमें कम खर्च में पढ़ाई करके आप बेहतर करियर बना सकें। ऐसे में अगर आप कॉमर्स स्ट्रीम चुनते हैं तो ये आपके करियर के लिए बहुत अच्छा साबित हो सकता है, क्योंकि कॉमर्स स्ट्रीम वाले छात्रों के लिए बहुत सी जॉब्स हैं, जिन्हें जॉइन करके वे अच्छी कमाई कर सकते हैं।

चार्टेड अकाउंटेंट

चार्टेड अकाउंटेंट बनने के लिए के बाद आप लाखों रुपये छाप सकते हैं। आजकल इनकी बहुत डिमांड है। सीए शुरुआत में सालाना 7 लाख रुपये से भी ज्यादा कमाई कर सकते हैं।

मार्केटिंग मैनेजर

यह कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए बेस्ट ऑप्शन है। मार्केटिंग मैनेजर बनने पर आप आसानी से सालाना 6-7 लाख रुपये कमाई कर सकते है।

इन्वेस्टमेंट बैंकर

इन्वेस्टमेंट बैंकिंग एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है, इस क्षेत्र में आने के लिए आपको सर्टिफाइड फाइनेंस एनालिस्ट का कोर्स करना होता है। इन्वेस्टमेंट बैंकर के तौर पर आप सालाना 10 लाख रुपये तक कमा सकते है।

ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर

आज के समय में एचआर मैनेजमेंट का कोर्स करना बहुत समझदारी का काम है, ये आपके फ्यूचर के लिए बहुत फायदेमंद होगा।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट

आज के समय में CFA भी एक डिमांडिंग प्रोफेशन है। चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट बनकर आप सालाना 12 लाख तक कमा सकते हैं।

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट

कॉमर्स के छात्रों के लिए यह एक बेहतर करियर विकल्प है। सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट के तौर पर आप सालाना 7 से 9 लाख रुपये की कमाई कर सकते हैं।

नर्सिंग प्रोफेशन को चुनकर खोलें तरक्की की राह

नर्सिंग क्षेत्र मेडिकल क्षेत्र से जुड़ा एक ऐसा प्रोफेशन है जो समय के साथ तेजी से ग्रोथ करता जा रहा है। वर्तमान समय में देश से लेकर विदेश तक नर्सिंग प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। अगर आप भी ऐसे प्रोफेशन की तलाश कर रहे हैं जिसको करने के बाद ही आपके पास निजी एवं सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार मौजूद हों तो आप नर्सिंग को एज अ प्रोफेशन चुन सकते हैं। नर्सिंग के क्षेत्र में उपलब्ध कोर्स करने के बाद ही आपके पास रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे जिससे आप अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

इन कोर्सेज में ले सकते हैं एडमिशन

अगर आप नर्सिंग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको किसी कोर्स को करना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में अंडर ग्रेजुएट, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ ही पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री कोर्स भी उपलब्ध हैं। अंडर ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए अभ्यर्थी को विज्ञान विषयों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। उच्च शिक्षा के लिए आप इसमें पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स भी कर सकते हैं।

कहां मिलेगी नौकरी

नर्सिंग के क्षेत्र में कोर्स करने के बाद आपके लिए सबसे पहले निजी अस्पतालों के द्वार खुल जाते हैं। इसके साथ ही समय-समय पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा भी भर्तियां निकाली जाती हैं जिनमें भाग लेकर आप सरकारी नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। अस्पतालों के अलावा इस कोर्स को करने वाले उम्मीदवारों को नर्सिंग होम, अनाथालय, वृद्धाश्रम, काउंसलिंग सेंटर, आरोग्य निवास, केयर सैंटर, रक्षा सेवाओं, इंडियन रेड-क्रॉस सोसाइटी, इंडियन नर्सिंग काउंसिल, स्टेट नर्सिंग कॉउंसिल के साथ ही कम्युनिटी हैल्थ सैंटर्स में काम कर सकते हैं।

मोबाइल चार्ज से कितनी बिजली खपत होती है

स्मार्टफोन अब लाइफ का सबसे अहम पार्ट हिस्सा बन गया है और आपकी लाइफ के कई काम स्मार्टफोन से ही होने लगे हैं। आपकी लाइफ भी बिना फोन के अधूरी हो सकती है, लेकिन इस फोन को चलाने के लिए भी कई चीजों की जरुरत होती है, जैसे- बिजली, रिचार्ज। रिचार्ज के प्लान के बारे में तो आप काफी कुछ जानते होंगे और दिमाग भी लगाते होंगे कि आखिर कौनसा रिचार्ज करवाना चाहिए और कौनसा रिचार्ज आपके लिए अच्छा रहने वाला है। लेकिन, कभी आपने फोन चार्जर के बारे में सोचा है?क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर एक बार फोन चार्ज करने में कितनी बिजली खर्च हो जाती है और सिर्फ फोन चार्ज करने से आपका बिजली खर्च कितना बढ़ जाता है और इसमें कितने यूनिट बिजली की खपत होती है। अगर नहीं, तो आज हम आपको बताते हैं कि आखिर जब आप हर रोज फोन चार्ज करते हैं तो इससे कितनी बिजली खर्च हो जाती है और पूरे महीने या साल में इससे कितना बिजली बिल बढ़ जाता है। वैसे तो हर मोबाइल के हिसाब से बिजली की खपत में बदलाव हो सकता है, लेकिन नतीजों में कुछ खास अंतर नहीं आता है. चार्जिंग में होने वाली बिजली खर्च का पता करने के लिए ये ध्यान में रखना होगा कि कौनसा चार्जर है, कितनी देर फोन चार्ज किया जा रहा है या फिर फोन कौनसा है। अगर औसत हिसाब से देखें तो हर कोई दिन में 3 घंटे अपना फोन चार्ज करता है और जो लोग फास्ट चार्जर से चार्जिंग करते हैं, उन स्थिति में कम समय में उतनी ही बिजली की खपत हो जाती है। इतनी देर फोन चार्ज करने से 0.15 KWH बिजली खर्च होती है, इसके अलावा ज्यादा एमएएच बैट्री वाले फोन में ज्याद बिजली खर्च होती है और वो 0.115 KWH तक हो सकती है।अगर उदाहरण के जरिए समझें तो आईफोन का एडेप्टर 5 वॉट का होता है और अगर आप इसे 1 घंटे चार्ज करते हैं तो उसमें 0.005 KWh बिजली की खपत होती है। अगर 3 घंटे लगाते हैं तो 0.015 KWH तक बिजली खर्च होती है। इसे यूनिट के हिसाब से देखें तो सालभर में यानी पूरे साल में इस हिसाब से बिजली खर्च होती है तो करीब 5 यूनिट बिजली खर्च होती है। यानी फोन चार्ज में सालभर में सिर्फ 5 यूनिट बिजली खर्च होती है।

GENERAL KNOWLEDGE

- विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क कौन-सा है?
उत्तर: इंटरनेट
- इंटरनेट की शुरुआत कब हुई थी?
उत्तर: वर्ष 1969 में।
-कम्प्यूटर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: चार्ल्स बैबेज।
-भारत में टेलीविजन का प्रसारण कब शुरू हुआ था?
उत्तर: 15 सितंबर 1959 में।
-भारत में रेडियो पर पहला कार्यक्रम कब और कहां से प्रसारित किया गया था।
उत्तर: सन् 1923 में मुंबई के रेडियो क्लब से।
-माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना किसने की थी?
उत्तर: बिल गेट्स और पाल एलेन ।
-भारत में मोबाइल फोन की शुरुआत कब हुई थी?
उत्तर: सन् 1995 में।
-टेलीफोन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने।
- फ्रिज या रेफ्रिजरेटर मशीन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: ओलिवर इवांस।
- प्रिंटर के आविष्कारक कौन हैं?
उत्तर: जोहान गुटेनबर्ग।
- किस देश के लोग हमेशा सोते रहते हैं?
उत्तर: कजाकिस्तान में कलाची गांव के लोग कई-कई महीनों तक सोने के लिए जाने जाते हैं।
- भारत की पहली तेल रिफाइनरी किस राज्य में है?
उत्तर: भारत की पहली तेल रिफाइनरी असम में है।
-भारत का पहला शीशे का पुल किस राज्य में बनाया गया है?
उत्तर: भारत का पहला शीशे का पुल उत्तराखंड में बनाया गया है।
-भारत का पहला रेलवे विश्वविद्यालय किस राज्य में खोला गया था?
उत्तर: भारत का पहला रेलवे विश्वविद्यालय गुजरात में खोला गया था।
- कोयला उत्पाद में भारत का कौन सा स्थान है?
उत्तर: कोयला उत्पाद में भारत का तीसरा स्थान है।
- ड्रोन का आविष्कार किस देश में हुआ था?
उत्तर: ड्रोन का आविष्कार ऑस्ट्रेलिया में हुआ था।
- दवाई खाने के बाद क्या खाने से इंसान की मौत हो सकती है?
उत्तर: दवाई खाने के बाद अंगूर खाने से इंसान की मौत हो सकती है।

फाइलेरिया नहीं फिर भी खाएं दवाई : एसीएमओ

10 अगस्त से शुरू हो रहा सर्वजन दवा सेवन अभियान, सीफार के सहयोग आयोजित हुई मीडिया कार्यशाला

प्रखर मिजार्पुर। फाइलेरिया नहीं है फिर भी साल में एक बार इसके रोकथाम की दवा अवश्य खाएं। ऐसा लगातार पांच साल तक कर लेने से इस बीमारी के होने की आशंका शून्य के बराबर हो जाती है। यह कहना है नोडल व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर गुलाब वर्मा का। डॉक्टर वर्मा शुक्रवार को सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के सहयोग आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि 10 अगस्त से फाइलेरिया के खिलाफ सर्वजन दवा सेवन अभियान शुरू हो रहा है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर लोगों को दवा सेवन कराएगी। इस बार 17 लाख जनपदवासियों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी से अपील की है कि अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। स्वास्थ्य टीम के सामने ही दवा का सेवन करें और दूसरों को भी सेवन करने के लिए प्रेरित करें। एसीएमओ ने बताया कि यह जिले के लिए खुशखबरी है कि यहां के तीन ब्लाक में फाइलेरिया लगभग समाप्त हो चुका है। इन तीन विकास खण्डों में यह अभियान नहीं चलेगा। शेष नौ विकास खण्डों में यह अभियान 10 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा। जिला फाइलेरिया अधिकारी डॉ अनिल ने बताया कि फाइलेरिया रोग संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। हालांकि किसी भी उम्र का व्यक्ति इससे संक्रमित हो सकता है लेकिन अधिकतर मामलों में लोगों को बचपन में ही काटने से ही संक्रमित होने के प्रमाण मिलते हैं। इसके लक्षण 10-15 वर्ष बाद दिखते हैं। उन्होंने बताया कि इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है लेकिन इसकी रोकथाम संभव है। फाइलेरिया रोधी दवा सेवन से इस बीमारी से बचने और बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। इस अभियान में 1844 टीम और 478 सुपरवाइजर लगाए जा रहे हैं। वर्ष 2021-22 में 17 लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। उसमें आठ लाख लोगों को दवा से आच्छादित किया गया था। पिछले वर्ष जिले में 1347 हाथीपांव व 1189 लोग हाइड्रोसील के रोगी मिले थे। जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय सिंह ने बताया कि फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और अत्यधिक बीमार लोगों को नहीं करना है। शेष सभी साल में एक बार और लगातार पांच वर्ष तक दवा खाकर भविष्य की परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं। फाइलेरिया उन्मूलन पर उपस्थित लोगों ने शपथ लिया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आर वी कमल ने बताया कि फाइलेरिया से पूरी दुनिया में विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इससे ग्रस्त व्यक्ति के पैर, अण्डकोष और महिलाओं के स्तन का आकार काफी बढ़ जाता है। इसको क्रमशः लिम्फोडिमा या हाइड्रोशील के नाम से जाना जाता है। साथ ही जिले के हर केन्द्र पर फाइलेरिया की दवा उपलब्ध है। फाइलेरिया की जांच के लिए भी डॉक्टर उपलब्ध है फाइलेरिया की शंका होने पर लोग अपने नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर उपचार कर सकते है बिना उपचार के दवा नहीं लेनी चाहिए।

30 लाख के अवैध गांजा तथा तस्करी में प्रयुक्त वैगनार व टवेरा कार के साथ 06 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से 69 कि.ग्रा. गांजा बरामद

प्रखर मिजार्पुर। अदलहाट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आज दिनांकः 28.07.2023 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक विजय चौरसिया थाना अदलहाट मय पुलिस टीमव मय एसटीएप टीम द्वारा थाना अदलहाट क्षेत्र से दो कारमें सवार 06नफर अभियुक्तों, 1. सुरज सिंह पुत्र स्व0 रामबली सिंह, 2.गौतम घोस पुत्र गणेश घोस, 3.बलकार सिंह पुत्र धीसम सिंह, 4.राहुल पुत्र राजकुमार निवासी तूर्कमानपुर, 5.श्याम लाल घोस पुत्र भानू घोस, 6.किरन पुत्री बनवारी को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से वैगनार कार व टवेरा कार में रखे04 बोरी में कुल 69 किग्रा

अवैध गांजाबरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पर मु0अ0स0-167/2023 धारा 8/20/29 NDPS एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों को नियमानुसार मा0न्यायालय/ जेल भेजते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा गांजा परिवहन में प्रयुक्त वाहन वैगनार कार(वाहन संख्याःDL 05 CJ 1408) व टवेरा कार (UP 52 L 5554) को 207 एम.वी. एक्ट में भी सीज किया गया । पकड़े गये अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोगउड़ीसा से गांजा लेकर सोनभद्र, मीरजापुर व आसपास के जनपदों में लाकर भण्डारण कर आवश्यकता के अनुसार जगह-जगह सप्लाई करते हैं।

25 हजार का ईनामिया शातिर बदमाश गिरफ्तार, कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद

प्रखर मिजार्पुर। थाना अदलहाट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी हैं । ज्ञातव्य हो कि दिनांकः 08.07.2023 को थाना अदलहाट, स्वाट व एसओजी तथा रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 04 बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए 47 बोरियों में रखा हुआ कुल 2301 अदद पेन्ड्राल क्लिप/ जलेबी भी बरामद किया गया था। अभियुक्त विजय कुमार गुप्ता तभी से फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें प्रयासरत थी। आज दिनांकः28.07.2023 को स्वाट/ सर्विलांस, एसओजी व थाना अदलहाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अदलहाट पर पंजीकृत मु0अ0सं0-149/2023 धारा 307,411,413,414,34 भादवि व 150 रेलवे अधिनियम अधिनियम में वांछित 25 हजार के ईनामियां अभियुक्त विजय कुमार गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता निवासी बेलखड़ा हालपता कस्बा

अहरौरा थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । जिसके कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय एक अदद जिंदा कारतूस बरामद किया गया । बरामद अवैध तमंचे के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-168/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्त विजय कुमार गुप्ता उपरोक्त के विरुद्ध जनपद सोनभद्र व मीरजापुर के विभिन्न थानों पर चोरी सहित विभिन्न धाराओं में कई अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

जनपद कुशीनगर के ग्रामसभा लालाछपरा (टोला भटवलिया) में बनी पानी की टंकी शोपीस : रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी, कुशीनगर को सम्बोधित ज्ञापन राजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी को सौपते हुए अवगत कराया है कि, जनपद के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत ग्रामसभा लालाछपरा टोला भटवलिया में विगत लगभग दस वर्ष पूर्व सरकार द्वारा एक पानी की टंकी बनवाया गया था कि, समस्त ग्रामसभा के लोगों को पीने का शुद्ध पेयजल मिल सके और ग्रामीणों को गन्दा पानी पीने से जो बिमारी होती है उसको नियन्त्रण किया जा सके। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि, उक्त पानी की टंकी को बनवाने में सरकार ने करोडो रुपये ब्यय तो किये, मगर पानी की टंकी सिर्फ मात्र दिखावा (शो पीस) बन कर रह गया है। ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया है कि, जो पानी की सप्लाई के लिये प्लास्टिक पाईप बिछाया गया है वह मानक के अनुरूप प्रतीत नही हो रहा है और पानी का दबाव बढते ही प्लास्टिक पाईप फटता गया और पानी घरों में लोगों को पीने के स्थान जगह-जगह जमा हो जा रहा है जो निन्दनीय के साथ साथ एक गम्भीर चिन्ता का विषय है। आगे जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने बताया है कि, पानी की टंकी पर जो ओपेरटर की ड्यूटी लगी है वह यहाँ रहता ही नही है और अपने जगह पर स्वंय ही उक्त टोले से एक आदमी नियुक्त किया है जिसको वह 2200/- (दो हजार दो सौ रुपये) महीने तनखाह देता है। जो आदमी ओपेरटर द्वारा स्वंय ही नियुक्त किया गया है उसे लगभग आठ महीने से तनखाह भी नही दिया है। अन्त में यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह जिलाधिकारी से माँग किये है कि, ग्रामीणों के उपरोक्त समस्या को देखते हुए इस पूरे प्रकरण की जाँच कराते हुए जो प्लास्टिक की पाईप बिछाया गया है, उसे बदलवाया जाय ताकि ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा

मिल सके। यदि ग्रामीणों की माँगों पर त्वरित कार्यवाही 15 दिन में नही की गयी तो हमारा यूनियन जनहित में कोई ठोस कदम उठाने के लिये वाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस मौके पर यूनियन के जिला सचिव चेतई प्रसाद, सुकई, बालेश्वर राय, मदन गौड़,मरमहंस,कमलेश प्रसाद, सुदामा,जगदीश राय,जितेन्द्र, अमित गौड़ के साथ साथ अन्य कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

पीजी कालेज का स्नातक स्तर का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित, काउंसलिंग 31 से

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर का प्रवेश परीक्षा 2023 का स्नातक स्तर का बी.ए., बी.एस-सी (गणित एवं जीव विज्ञान, बी.एस-सी. कृषि का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने परीक्षा परिणाम की घोषणा करते हुए प्रखर पूर्वांचल को बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम योग्यता क्रम के आधार पर घोषित किया गया है। प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों का परीक्षा परिणाम कालेज के वेब साईट पर अपलोड कर दिया गया है, जहां अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी प्रवेश हेतु सूची जारी कर दी गई है।अपना आवश्यक अभिलेख तैयार कर लें, क्योंकि सफल परीक्षार्थियों के प्रवेश हेतु काउंसलिंग का कार्यक्रम 31 जुलाई 2023 से प्रारम्भ किया जाना है। जिन अभ्यर्थियों के पास आवश्यक अभिलेख समय से तैयार नहीं होंगे, उन्हें प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा जिसकी

जिम्मेदारी अभ्यर्थियों की ही होगी। प्राचार्य डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने प्रवेश में डिजिटल इण्डिया एवं पूर्ण पारदर्शिता की नीति अपनाते हुए आनलाईन काउन्सलिंग की व्यवस्था की गई है। आनलाईन काउन्सलिंग द्वारा अभ्यर्थी अपने घर बैठे पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रवेश ले सकते हैं। अभ्यर्थियों के पास प्रवेश के लिए हाई स्कूल अंक पत्र व प्रमाण- पत्र, इंटरमीडिएट अंक पत्र व प्रमाण-पत्र, अनुसूचित तथा अनुसूचित जनजाति के लिए जाति प्रमाण- पत्र, सामान्य जाति के लिए ईडब्लूएस प्रमाण- पत्र, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, अधिभार प्रमाण -पत्र आदि। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने सम्मानित अभिभावकों से अपील की है कि समय रहते अभ्यर्थियों सम्बन्धित अभिलेखों को तैयार कराने में अपना सहयोग करें। प्रवेश के समय सम्बन्धित अभिलेखों के अभाव में अभ्यर्थियों को प्रवेश से वंचित रहना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी अभ्यर्थियों एवं अविभावकों की होगी।

मुख्तार के करीबी जाकिर हुसैन की एक करोड़ की संपत्ति हुई कुर्क, गैंगस्टर एक्ट के तहत हुई कार्रवाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अंसारी परिवार तथा उनके सहयोगियों की मुश्किलें और बढ़ती ही जा रही हैं। आईएस झ191गैंग का सरगना और माफिया मुख्तार अंसारी के गुर्गे जाकिर हुसैन उर्फ विकी की लगभग 1 करोड रुपए की अचल संपत्ति को पुलिस ने कुर्क कर दिया। पुलिस प्रशासन द्वारा यह कार्यवाही गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया की थाना कोतवाली में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में मुख्तार अंसारी के गुर्गे जाकिर हुसैन उर्फ विक्की द्वारा अपने नाम से थाना बहरियावाद के मौजा के चकफरीद स्थित प्लॉट संख्या 211 क तथा 212 में रकबा 100 फीट लंबा व 100 फुट चौड़ा क्षेत्रफल 10000 वर्ग फुट 1800/ रुपए प्रतिमाह के दर से तौहीद पुत्र अजीज उर्फ अजीम निवासी ग्राम चकफरीद के

लीज डीड के माध्यम से अर्जित किया गया है। इस पर संगठित अपराध से अर्जित धन द्वारा एस्सार पेट्रोल पंप का निर्माण कर उसका संचालन किया जा रहा था। जिसकी अनुमानित बंजारू कीमत 1 करोड़ है। आज जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के क्रम में गाजीपुर पुलिस द्वारा कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मुनादी करा कर उसकी भूमि व भवन को कुर्क किया। जाकिर हुसैन विकास कंस्ट्रक्शन में पार्टनर है। विकास कंट्रक्शन माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा बेगम, साला सरजील रजा, आतिफ अंसारी के नाम पर है। विक्की उर्फ जाकिर हुसैन चौथे पार्टनर के रूप में है। माफिया मुख्तार अंसारी का गुर्गा विक्की उर्फ जाकिर हुसैन वर्तमान समय में जिला जेल में बंद है। इसके खिलाफ नंदगज और शहर कोतवाली में संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज है। शहर कोतवाली में इसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है।

किसानों को मिले मृदा परीक्षण का लाभः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग में मिशन लाइफ अभियान के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि यह प्रयोगशाला लैब टू लैंड योजनान्तर्गत आसपास के किसानों को मृदा परीक्षण से सूक्ष्म तत्व संबंधी जानकारी उपलब्ध कराकर लाभान्वित करेगा, जिससे आसपास के गांव के किसानों को उनकी भूमि में पाए जाने वाले उर्वरकों की मात्रा का पता लगेगा। साथ ही वे अपने खेत में लगने वाली फसल के लिए आवश्यक उर्वरक तत्व का प्रयोग कर सकेंगे। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने कहा हमें मृदा परीक्षण के साथ रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करते हुए,कंपोस्ट एवं वर्मी कंपोस्ट जैसे जैविक उर्वरक उपयोग करने की जरूरत है, जिससे प्रदूषण रहित मृदा के द्वारा फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सके,जो जैव विविधता को बढ़ावा देने में कारगर होगा। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के समन्वयक डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सुधीर कुमार उपाध्याय द्वारा किया गया इस दौरान कुलपति द्वारा छात्रों को मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन द्वारा पर्यावरण स्नातक छात्रा शालिनी मिश्रा को लाइफस्टाइल फार एनवायरमेंट के क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किया गया,साथ ही बी.एस-सी. ऑनर्स एनवायरमेंटल साइंस के छात्र सुधांशु मौर्य, सुमित, पूजा, अंकिता, ज्योति, पवन चली, एम.एस-सी. एनवायरमेंटल साइंस के छात्र चंद्रभूषण पाल, गोपाल दुबे, रितिक शर्मा को राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता एन.एस.पी.सी.- 2023 में प्रतिभाग करने के लिए उन्हें प्रमाण पत्र एवं पौधे भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रो. बंदना राय, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. अमरेंद्र सिंह डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज मिश्र जी, डॉ सुनील कुमार, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. अवधेश मौर्य, डॉ. दिनेश, डॉ मारुति, डॉ. राजेश, डॉ संजीव मौर्य, डॉ. आशीष गुप्ता तथा मिशन लाइफ समिति के सभी सदस्य एवं छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चुनौतियों का सामना धैर्यपूर्वक करें विद्यार्थीः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में शुक्रवार को सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि हम वर्तमान में वैश्वीकरण के परिदृश्य में है। तकनीकी और प्रौद्योगिकी में काफी बदलाव आए हैं जिसे लेकर हमें अपग्रेड रहने की आवश्यकता है। यह रोजगार मेला रोजगार की एक ऋतु के समान है जिसका लाभ सभी विद्यार्थियों को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना धैर्यपूर्वक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण पर ही उनका चयन निर्धारित होता है। अगर वह 90% अंक के बावजूद अपने विषय और कौशल को प्रस्तुत नहीं कर पाते तो उनका चयन संभव नहीं होता। किंतु अगर कोई विद्यार्थी 80% अंक के साथ साथ अपने विषय को अच्छी तरह से प्रस्तुत करता है तो उसका चयन हो जाता है। प्लेसमेंट के लिए बायजूस बैंगलोर, ड्यूरा टफ ग्लास प्राइवेट लिमिटेड, तोसा इंटरनेशनल, ई.एल.वी. ड्राइव, टारमेड टेक्नोलॉजी, बटरफ्लाई लर्निंग कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा चयन प्रक्रिया की जा रही है ' कंपनी के प्रतिनिधि के तौर पर ऋषिमुख जाधव, आशीष जोशी, अनूप सोलंकी, दिलशाद खान, पाल सेठी, डॉ यशवंत, मिस नितिका, प्रिया ककरन, शेखर आनंद विश्वविद्यालय आए' स्वागत भाषण और कंपनियों का परिचय सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर मानस पांडेय ने किया। इस मौके पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह, प्रो.वंदना राय, प्रो. राजेश शर्मा, प्रोफेसर देवराज सिंह, प्रो.अजय द्विवेदी, प्नो. रजनीश भास्कर , डॉ नितेश जायसवाल, डॉ. रसिकेश, श्याम जी त्रिपाठी मौजूद रहे।

शुद्ध हवा और पानी के लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरी : संपूर्णा नंद पाण्डेय

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रकृति नवजीवन ट्रस्ट के द्वारा रंगीलदास कुटिया तिलमापुर चिरईगांव ब्लाक के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया` अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के प्रदेश महासचिव संपूर्णा नंद के बेटे विवेकानंद पांडे के जन्मदिन के अवसर पे पंद्रह अगस्त तक पौधारोपण हो रहा है इसलिए देश की नामचीन संस्था प्रकृति नवजीवन ट्रस्ट भी इस मुहिम में जुड़ गया और अपने स्थापना दिवस पे टीम के साथ जहां अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा द्वारा वृक्ष लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई एवं महासचिव विजय द्वारा वृक्षों के लाभ महत्व एवं उसके संरक्षण के विषय में लोगों को जानकारी दी गई उक्त अवसर पर सेंट्रल बार के पूर्व महामंत्री बृजेश मिश्रा , जयशंकर मिश्रा ,संस्था के अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, महासचिव विजय , सचिव शरद श्रीवास्तव , अभिषेक उपाध्याय , उपाध्यक्ष शैलेश पांडे , कोषाध्यक्ष अंजनी , सदस्यगण में मुन्ना लाल यादव, आशीष शुक्ला, जितेंद्र पांडे, हर्षित ,मृदुल , बच्चा राम यादव एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे` संपूर्णा नंद पाण्डेय ने कहा की देश में सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण का है आज के समय देश में करोड़ों बड़े पौधो की जरूरत है जैसे बरगद, नीम , पीपल, आम,महुआ, लिप्टस, सागौन,सीसम इत्यादि संपूर्णा नंद पाण्डेय ने और कहा की विवेकानंद के जन्मदिन के अवसर पे पौधारोपण हो रहा है और साथ में अधिक से अधिक लोगो से अपील भी किया की कोई भी शुभ कार्य हो जैसे जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ , देश के महापुरुष की जयंती या पुण्यतिथि हो इन सभी के उपलक्ष पे भी पौधारोपण करे पर्यावरण और हरियाली है तो जीवन है पाण्डेय जी ने कहा की एक पेड़ की शीतलता दस एयर कंडीशन के बराबर होती है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वाचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं